भाद्रपद शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 36 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 29-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जब तक मैं जीवित हूं, लोगों का मताधिकार किसी को भी छीनने नहीं दूंगी

6 ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

7 अक्षरा सिंह की सादगी ने फिर जीता दिल

फर्स्ट टेक

संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान में शांति सेना को समाप्त करने का निर्णय लिया

संयुक्त राष्ट्र, 28 अगस्त (एपी) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अमेरिका और उसके करीबी सहयोगी इजराइल की मांगों को स्वीकार करते हुए दक्षिणी लेबनान में लगभग पांच दशक बाद संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को समाप्त करने के लिए बृहस्पतिवार को सर्वसम्मति से निर्णय लिया। दक्षिणी लेबनान से सेना को 2026 के अंत तक हटा लिया जाएगा। 'लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल' (यूएनआईएफआईएल) का गठन 1978 में इजराइल के आक्रमण के बाद किया गया था। उसका उद्देश्य दक्षिणी लेबनान से इजराइली सैनिकों की वापसी की निगरानी करना था और 2006 में इज़राइल तथा उग्रवादी समूह हिज़्बुल्ला के बीच एक महीने तक चले युद्ध के बाद इसके मिशन का विस्तार किया गया।

इजराइल ने यमन की राजधानी पर हमला किया

काहिरा, 28 अप्रैल (एपी) इजराइल ने बृहस्पतिवार को यमन की राजधानी सना पर हमला किया। हूती के मीडिया कार्यालय ने यह जानकारी दी। इससे पहले रविवार को इजराइली सेना ने सना पर हमला किया था जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए थे। बृहस्पतिवार को निवासियों ने शहर के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में तेज़ धमाकों की सूचना दी। इजराइली सेना ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। यह हमला उस समय हुआ जब हूतियों का अल-मसीरा सैटेलाइट समाचार चैनल विद्रोहियों के शीर्ष नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती का रिकॉर्ड किया गया भाषण प्रसारित कर रहा था। इजराइली सेना ने ईरान समर्थित हूतियों द्वारा उसकी की ओर दागे गए ड्रोन को मार गिराया था जिसके कुछ घंटो बाद यहूदी देश ने सना पर हमला किया।

कपास पर आयात शुल्क की छूट 31 दिसंबर तक बढ़ाई गई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट इस वर्ष 31 दिसंबर तक बढ़ाने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए, केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट को 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने घरेलू वस्त्र उद्योग क्षेत्र के लिए कपास की उपलब्धता बढ़ाने के लिए, केंद्र सरकार ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास पर आयात शुल्क में अस्थायी छूट दी थी।

29-08-2025 सूर्यास्त 6:21 बजे | 30-08-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
80,080.57	24,500.90
(-705.97)	(-211.15)

सोना	चांदी
10,508 रु.	130,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

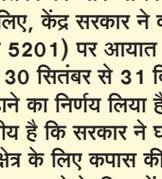

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कानून का धर्म

धर्मों पंथों के विविध रूप,
जिनके मानक होते अनेक।
आस्था के अपने विविध रंग,
मर्यादा जिसकी रखे टेक।
आवश्यक इन पर विधि अंकुश,
जन खो सकते भ्रम में विवेक।
धर्मों के हैं अपने विधान,
पर संविधान का धर्म एक।।

जन धन योजना ने लोगों को दिया अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपए की राशि जमा है।
- जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना के 11 साल पूरे होने के मौके पर गुरुवार को कहा कि इसने अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी वित्तीय तंत्र से जोड़ा और उन्हें अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका दिया।

प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को हुई थी। इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी आधिकारिक पोस्टों पर प्रतिक्रिया देते हुये मोदी ने लिखा, 'जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है। पीएम जन धन योजना की यही उपलब्धि रही है। इसने लोगों को आत्मसम्मान दिलाया और उन्हें अपनी किस्मत खुद लिखने की ताकत दी।'

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़

बैंक खाते खोले गये हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपये की राशि जमा है। जन धन खाताधारकों को 38 करोड़ से ज्यादा निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किये गये हैं जिससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला है। वहीं, 13.55 लाख बैंक मित्र लोगों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं जिनके लिए पहले बैंक जाना होता था।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मौके पर अपने संदेश में कहा कि वित्तीय समावेशन, आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख चालक है। बैंक खातों तक सार्वभौमिक पहुंच गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने और इसके अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि बैंक खाते खुलने के बाद प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिये लोगों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की गईं। ये खाते ऋण सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बचत एवं निवेश बढ़ाने के प्रमुख माध्यमों में से एक रहे हैं।

संघ किसी पर हमले में विश्वास नहीं रखता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि संघ धार्मिक आधार पर किसी पर हमला करने में विश्वास नहीं रखता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू दर्शन यह नहीं कहता कि इस्लाम नहीं रहेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के दौरान एक सवाल के जवाब में, भागवत ने कहा कि धर्म व्यक्तिगत पसंद का मामला है और इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती शामिल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हिंदू आत्मविश्वास की कमी के कारण असुरक्षित हैं। कोई भी हिंदू यह नहीं सोचता कि इस्लाम नहीं रहेगा। हम पहले एक राष्ट्र हैं... आरएसएस किसी पर भी हमला करने में विश्वास नहीं रखता, धार्मिक आधार पर भी।'' भागवत ने यह भी कहा कि सड़कों और जगहों का नाम 'आक्रांताओं' के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा कि उनका नाम मुसलमानों के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए, लेकिन उनका नाम आक्रांताओं के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए।'' भागवत ने कहा कि आरएसएस संविधान के तहत आरक्षण नीतियों का पूरा समर्थन करता है और जब तक जरूरत होगी, इस व्यवस्था का समर्थन करता रहेगा।

तीन बच्चों, तीन भाषाओं का समर्थन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि सभी भारतीयों को कम से कम तीन भाषाएं आनी चाहिए, जिनमें उनकी मातृभाषा, उनके राज्य की भाषा और पूरे देश के लिए एक संपर्क भाषा शामिल होनी चाहिए, जो विदेशी नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी कहा कि जनसंख्या को पर्याप्त और नियंत्रण में रखने के लिए प्रत्येक भारतीय परिवार में तीन बच्चे होने चाहिए।

भाषाओं के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारतीय मूल की सभी भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं और इस पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, संवाद के लिए एक संपर्क भाषा होनी चाहिए, लेकिन वह विदेशी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, सभी को मिलकर एक साझा संपर्क भाषा तय करनी चाहिए। भागवत ने यह भी कहा कि आरएसएस अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा के खिलाफ नहीं है।

नए भाजपा प्रमुख के चयन पर भागवत

हम फैसला नहीं करते, अगर करते तो क्या इतना समय लगता:

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने इस आम धारणा को ''पूरी तरह गलत'' बताते हुए खारिज कर दिया कि उनका संगठन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए ''सब कुछ'' तय करता है। उन्होंने कहा कि सुझाव पार्टी को दिए जाते हैं, लेकिन फैसले पार्टी लेती है। भागवत ने यह भी कहा कि भाजपा के नए प्रमुख के चयन में आरएसएस की कोई भूमिका नहीं है। भागवत ने कहा कि आरएसएस और भाजपा नीत सरकार के बीच कोई मतभेद नहीं है, चाहे वह केंद्र में हो या पार्टी द्वारा शासित राज्यों में।

गुरुकुल शिक्षा को मुख्यधारा में शामिल करने पर दिया जोर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुकुल शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ जोड़ने का आह्वान करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि गुरुकुल शिक्षा का मतलब आश्रम में रहना नहीं बल्कि देश की परंपराओं के बारे में सीखना है।

भागवत ने कहा कि वह संस्कृत को अनिवार्य बनाने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन देश की परंपरा और इतिहास को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, वैदिक काल के प्रासंगिक 64 पहलुओं को पढ़ाया जाना चाहिए। गुरुकुल शिक्षा को मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए, न कि उसे प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

आरएसएस सरसंघचालक ने कहा कि मुख्यधारा को गुरुकुल शिक्षा से जोड़ा जाना चाहिए, जिसका मॉडल फिनलैंड के शिक्षा मॉडल के समान है। उन्होंने कहा, शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी देश फिनलैंड में शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक अलग विश्वविद्यालय है। स्थानीय आबादी कम होने के कारण कई लोग विदेश से आते हैं, इसलिए वे सभी देशों के छात्रों को स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, आठवीं कक्षा तक की शिक्षा छात्रों की मातृभाषा में दी जाती है... इसलिए गुरुकुल शिक्षा का मतलब आश्रम में जाकर रहना नहीं है, इसे मुख्यधारा से जोड़ना होगा।

भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति में श्रीलंका का विशेष महत्व

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को 'श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ' के 24 सदस्यीय शिष्टमंडल से मुलाकात की और कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति में श्रीलंका का विशेष महत्व है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने इस शिष्टमंडल से संसद भवन मे औपचारिक भेंट की। इस शिष्टमंडल का नेतृत्व श्रीलंका के स्वास्थ्य एवं जनसंचार मंत्री तथा श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष डॉ. नलिन्दा जयतिस्सा ने किया। बैठक के दौरान बिरला ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध रहे हैं। यह संबंध आज एक मजबूत बहुआयामी साझेदारी में बदल चुके हैं। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और 'विजन सागर' में श्रीलंका का विशेष महत्व है।

लोकसभा अध्यक्ष ने भारत और श्रीलंका के बीच हाल के वर्षों में हुए उच्चस्तरीय दौरों का उल्लेख करते हुए बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अप्रैल, 2025 की श्रीलंका यात्रा और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की दिसंबर, 2024 की भारत यात्रा को दोनों देशों के संबंधों में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि श्रीलंका की वर्तमान संसद में 'भारत-श्रीलंका संसदीय मैत्री संघ' की स्थापना द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का स्पष्ट प्रमाण है।

सिम कार्ड अवैध बिक्री मामला:

एयरटेल का क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक और दो अन्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले सहित विभिन्न साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सिम कार्डों की कथित अनधिकृत बिक्री के लिए असम के सिलचर से 'एयरटेल' के एक क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक (टीएसएम) को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने बुधवार को असम के कछार में पांच ठिकानों पर छापेमारी कर टीएसएम देबाशीष डोले, बिचौलियों माहिम उद्दीन बरभुइया और आशिम पुरकायस्थ को गिरफ्तार किया।

डोले की गिरफ्तारी के संबंध में पूछे गए सवालों पर एयरटेल की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। सीबीआई ने इस साल मई में डिजिटल अरेस्ट घोटालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 39 'पॉइंट-ऑफ-सेल्स' ऑपरेटरों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

भारत के विभिन्न भागों में बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के विभिन्न भागों में बृहस्पतिवार को बारिश और नदियों में उफान के कारण सामान्य जनजीवन बुरी तरह से अस्तव्यस्त हो गया, कई सड़कें और पुल बह गये और कई गांव जलमग्न हो गये तथा बचावकर्मियों को बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

उत्तर में हिमाचल प्रदेश से लेकर दक्षिण में केरल तक, बारिश के कारण नदियों और बांधों का जलस्तर बढ़ गया और रिहायशी इलाकों एवं कृषि क्षेत्रों में पानी भर गया। हालांकि, कश्मीर में दो दिनों के बाद बारिश में कमी आने से बाढ़ का खतरा कम हो गया है, जिससे राहत मिली है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने बताया कि हैदराबाद मंडल में विभिन्न स्थानों पर पटरियां जलमग्न होने के कारण 69 ट्रेनें रद्द कर दी गईं।

कर्नाटक के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह भारी बारिश हुई, जिसके बाद आईएमडी ने कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किए। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी कर दी गई है और कई जिलों में अधिकारियों ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

हिमाचल प्रदेश में, अधिकारियों ने बताया कि रावी नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण कांगड़ा जिले के सुदूर बड़ा बंगाल गांव में कई सरकारी इमारतें बह गयीं। उन्होंने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

कश्मीर में बाढ़ का खतरा बृहस्पतिवार को कम हो गया है क्योंकि मौसम में सुधार के साथ ही झेलम नदी एवं अन्य जलाशयों में जलस्तर कम होने लगा है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 12 घंटों में कश्मीर घाटी में बहुत कम बारिश हुई है।

पंजाब के विभिन्न जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत अभियान बृहस्पतिवार को जारी रहा, हालांकि कई गांव तथा निचले इलाके अब भी जलमग्न हैं।

उत्तर प्रदेश में गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण उत्तर प्रदेश के वाराणसी के घाटों पर दैनिक आरती और दाह संस्कार सहित सामान्य गतिविधियां बाधित हुईं।

उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने पर इंडिगो की सूरत-दुबई उड़ान का मार्ग बदला गया

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के सूरत से दुबई जा रहे इंडिगो के एक विमान को बृहस्पतिवार को तकनीकी खराबी आने पर अहमदाबाद में सुरक्षित उतार दिया गया। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विमान में लगभग 150 यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि सूरत हवाई अड्डे से सुबह लगभग साढ़े नौ बजे उड़ान भरने वाला विमान मार्ग परिवर्तित होने के बाद पूर्वाह्न लगभग 11 बजे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय (एसवीपीआई) हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। अधिकारी ने बताया कि इंडिगो ने यात्रियों के लिए एक और उड़ान की व्यवस्था की।

हवाई अड्डे के अधिकारी ने बताया, बीच उड़ान में कुछ तकनीकी खराबी के कारण सूरत से दुबई जा रहे इंडिगो के विमान को अहमदाबाद मोड़ दिया गया। लगभग 150 यात्रियों के साथ विमान लगभग 11 बजकर 40 मिनट पर हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। विमान को आपात स्थिति में नहीं उतारा गया। उन्होंने बताया, बाद में इंडिगो ने यात्रियों के लिए एक और विमान का इंतजाम किया। वह विमान अपराह्न करीब पौने दो बजे दुबई के लिए रवाना हुआ। जिस विमान को यहां उतारा गया था, उसका अब विमान इंजीनियरों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है।

सरकार मराठों और ओबीसी के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मराठा आरक्षण के लिए नए आंदोलन की आशंका का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार मराठा और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) दोनों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का इरादा दोनों समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का नहीं है।

मराठा नेता मनोज जरांगे शुक्रवार से मुंबई में आरक्षण के लिए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने वाले हैं।

जरांगे सभी मराठों को कुनबी के रूप में मान्यता दिए जाने की मांग कर रहे हैं, जिससे वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र हो जाएंगे, लेकिन ओबीसी नेता इसका विरोध कर रहे हैं।

कुनबी, ओबीसी श्रेणी में शामिल एक कृषि प्रधान जाति है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम ओबीसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे और मराठों को पता होगा कि मेरी सरकार ने समुदाय के कल्याण के लिए काम किया है। हमारी सरकार द्वारा (मराठों को) दिया गया आरक्षण अब भी कानूनी रूप से मान्य है। फडणवीस ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए अन्य राज्यों में आरक्षण के मुद्दे हल हो गए हैं, लेकिन महाराष्ट्र में ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर दृष्टिकोण अब भी सकारात्मक नहीं है। उन्होंने कहा कि मराठों को पहले से ही 10 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है और अब भी आरक्षण की मांग है। उन्होंने कहा कि ओबीसी में 350 से अधिक उपजातियां हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, फिर भी हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि प्रदर्शनकारियों का क्या कहना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपने विचार रखने और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार किए गए विरोध प्रदर्शन के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार मराठा विरोध को एक सामाजिक घटना के रूप में देखती है, न कि एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में।

दिल्ली में 'यू-स्पेशल' बसों की वापसी, 67 डीयू कालेजों को सेवाएं देंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में छात्रों की जरूरतों के अनुकूल यात्रा का विकल्प मुहैया कराने के प्रयासों के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 'यू-स्पेशल' बस सुविधा फिर से शुरू कर दी।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार छात्रों को मेट्रो ट्रेनों में यात्रा के लिए रियायती 'पास' उपलब्ध कराने के बारे में गंभीरता से काम कर रही है। 'यू-स्पेशल' बस सेवा 25 बसों के साथ शुरू की गई है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 67 कालेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक जाएंगी। ये इलेक्ट्रिक बसें 25 से अधिक मार्गों पर परिचालित होंगी और मेट्रो स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर रुकेंगी।

गुप्ता ने कहा, जहां पिछली सरकार 'यू-टर्न' लेती थी, वहीं हमारी सरकार हमेशा आगे की ओर अग्रसर रहती है और दिल्ली को आगे ले जाती है। उन्होंने कहा कि 'यू-स्पेशल' बसें विश्वविद्यालय की जीवन रेखा हुआ करती थीं, जिसमें हजारों छात्र अपने कालेजों तक आना-जाना करते थे लेकिन यह सेवा बंद कर दी गई। गुप्ता ने कार्यक्रम में कहा, मैंने 1998 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद विश्वविद्यालय छोड़ दिया था और उस समय बसें चलना बंद हो गई थीं। अब मैं फिर विश्वविद्यालय लौट रही हूं और मेरे साथ यह बसें भी हैं। 'एक्स' पर एक हिंदी पोस्ट में गुप्ता ने बसों में यात्रा के अपने समय को याद किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, यह सिर्फ एक बस नहीं है बल्कि दोस्ती, गपशप और हंसी की एक चलती-फिरती दुनिया है। जहां हम सीढ़ियों पर बैठकर अंताक्षरी खेलते थे, आज आप एफएम सुनेंगे लेकिन भावनाएं वही रहेंगी।

मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27% आरक्षण देने पर सभी राजनीतिक दल एकमत : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर सभी राजनीतिक दल एकमत हैं और विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका तीनों मिलकर इसे लागू कराने के लिए संयुक्त प्रयास करेंगे।

कांग्रेस ने इसे अपनी जीत बताते हुए कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर उसकी मांग पर आखिरकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को झुकना पड़ा। इससे पहले, मध्यप्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे पर कई मौकों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला, जिसके बाद यह मामला उच्चतम न्यायालय पहुंचा, जहां यह लंबित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है और 22 सितंबर से इसकी रोजाना सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि अदालत में अलग-अलग वकील बहस कर रहे हैं। यादव ने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर उनकी अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने हिस्सा लिया।

रूसी तेल की खरीद से भारत को महज 2.5 अरब डॉलर का शुद्ध वार्षिक लाभ: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल आयात करने से भारत को होने वाला वार्षिक शुद्ध लाभ महज 2.5 अरब डॉलर है, जो पहले जताए गए 10 से 25 अरब डॉलर के अनुमान से बहुत कम है। एक शोध रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। ब्रोकरेज कंपनी सीएलएसए की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी कच्चे तेल के आयात से भारत को होने वाला लाभ मीडिया में बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। हमारे अनुमान के मुताबिक, यह लाभ भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का सिर्फ 0.06 प्रतिशत यानी करीब 2.5 अरब डॉलर है।

फरवरी, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से तेल आयात तेजी से बढ़ाया है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने कुल 54 लाख बैरल प्रतिदिन तेल आयात में से 36 प्रतिशत यानी 18 लाख बैरल प्रतिदिन तेल को रूस से आयात किया। यूक्रेन युद्ध से पहले यह आंकड़ा एक प्रतिशत से भी कम था। रूस ने पश्चिमी देशों द्वारा तेल बिक्री पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अपने तेल पर भारी छूट देना शुरू कर दिया था, जिससे भारत को सस्ते दर पर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित हुई। हालांकि अमेरिका सहित कुछ देशों ने भारत की आलोचना करते हुए इसे मुनाफाखोरी बताया।

पर्यटकों की भीड़ के कारण आतंकियों ने बैसरन घाटी को निशाना बनाया : एनआईए

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना हमले के लिए आतंकवादियों ने बैसरन घाटी को इसलिए चुना था क्योंकि वहां पर्यटकों की भारी भीड़ होती है और यह अपेक्षाकृत एकांत में स्थित है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एनआईए अधिकारियों ने बताया कि 22 अप्रैल को हुए इस आतंकवादी हमले में ''तीन आतंकवादी'' सीधे तौर पर शामिल थे। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जांच कर रही एनआईए के प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिक्रिया समय को ध्यान में रखते हुए भी लक्ष्य का चयन किया गया था। आतंकवादियों ने बैसरन को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि वहां ''पर्यटकों की संख्या'' अधिक रहती है और यह अपेक्षाकृत एकांत में स्थित है तथा उन्हें यह भी लगता था कि ''सुरक्षा एजेंसियों की ओर से जवाबी कार्रवाई किए जाने में समय लगेगा''। गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों बटकोट निवासी परवेज अहमद जोथर और पहलगाम निवासी बशीर अहमद जोथर ने बताया कि तीनों हमलावर प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबद्ध पाकिस्तानी नागरिक हैं।

दुर्लभ खनिज से उद्योग प्रभावित, इलेक्ट्रिक वाहन के विनिर्माण पर असर: टीवीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टीवीएस मोटर कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुर्लभ खनिज चुंबको की आपूर्ति की कमी से पूरा उद्योग प्रभावित है और इसके कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की मात्रा पर असर पड़ा है।

कंपनी के नए इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर को पेश करने के दौरान टीवीएस मोटर कंपनी के अध्यक्ष (भारत 2डब्ल्यू बिजनेस) गौरव गुप्ता ने एक ऑनलाइन 'कॉन्फ्रेंस कॉल' में संवाददाताओं से कहा, इस समस्या ने पूरे उद्योग को प्रभावित किया है। लगभग हर कंपनी पर इसका असर पड़ा है। फिलहाल, इसका कोई साफ समाधान नहीं दिख रहा है। हम सभी को इस आपूर्ति की कमी का हर दिन सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर, टीवीएस ऑर्बिटर पेश किया। इसकी कीमत 99,900 रुपए है। नए पेश किए गए इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर के बारे में गुप्ता ने कहा कि इसे घरेलू और वैश्विक, दोनों बाजारों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है और कंपनी उचित समय पर इसका निर्यात करने पर विचार करेगी। उन्होंने बताया कि टीवीएस ने नए मॉडल के विकास में लगभग 125 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसकी शुरुआत बेंगलूरु से होगी और चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में पेश किया जाएगा। दुर्लभ खनिज चुंबक को लेकर टीवीएस मोटर कंपनी और उद्योग जगत की अन्य कंपनियां इस चुनौती से निपटने के लिए और 'प्रधानमंत्री ई-ड्राइव' और पीएलआई योजनाओं में घरेलू मूल्य संवर्धन आवश्यकताओं से छूट प्राप्त करने के उद्देश्य से सरकार से बातचीत कर रही हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी ने इस मुद्दे पर सरकार के साथ चर्चा की है और प्रधानमंत्री ई-ड्राइव और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई)' योजनाओं के लिए घरेलू मूल्यवर्धन आवश्यकताओं के लिए छूट मांगी है, टीवीएस मोटर कंपनी के वैश्विक उत्पाद योजना और डिजाइन के कार्यकारी उपाध्यक्ष मनु सक्सेना ने कहा,यह स्थिति पूरे उद्योग में है और हम सभी एक ही नाव पर सवार हैं, जिससे जीवन थोड़ा अप्रत्याशित हो गया है।

निर्यात संवर्धन मिशन के तेजी से क्रियान्वयन के लिय प्रयास जारी: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार निर्यातकों की मदद के लिए 'निर्यात संवर्धन मिशन' के क्रियान्वयन में तेजी लाने का प्रयास कर रही है। एक सरकारी अधिकारी ने अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के एक दिन बाद यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि निर्यातकों ने नकदी के मोर्चे पर सरकार से मदद मांगी है और इन सभी मुद्दों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, निर्यात विविधीकरण, नए मुक्त व्यापार समझौते, निर्यात संवर्धन मिशन की शुरुआत और बढ़ता घरेलू बाजार, भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से बचाने में मदद करेंगे।

अधिकारी ने कहा, सरकार निर्यातकों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत है और उनकी मदद के लिए सकारात्मक प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्यात के विविधीकरण से निर्यातकों को लंबे समय तक व्यापार की गति बनाए रखने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के संबंध में कहा, हमें उम्मीद है कि जल्द ही दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू होगी। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि व्यापार समझौते के लिए अगले दौर की बातचीत की नई तारीख अभी तय नहीं हुई है।

कर्नाटक के चिकित्सा व शिक्षा मंत्री ने भुवनेश्वर कलिंगा शैक्षणिक संस्थानों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भुवनेश्वर। कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने केंद्रीय मानव संसाधन विभाग द्वारा मानद विश्वविद्यालय भुवनेश्वर स्थित कलिंगा सामाजिक विज्ञान संस्थान, कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान और कलिंगा आयुर्विज्ञान संस्थान का दौरा किया। ओडिशा के अपने दौरे के दौरान शिक्षाविद् और विधायक मंजूनाथ भंडारी से भी मुलाकात की।

डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने दौरे के दौरान प्रसन्नता व्यक्त की कि कलिंगा सामाजिक विज्ञान संस्थान में 40,000 गरीब आदिवासी बच्चे कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जो कि सराहनीय पहल है। बाद में उन्होंने कलिंगा शैक्षणिक संस्थान के संस्थापक अच्युत सामंत के साथ शैक्षणिक संस्थान के विकास, चिकित्सा शिक्षा, नवीन उपायों, अत्याधुनिक तकनीक की शिक्षा, आदिवासी समुदाय के गरीब बच्चों की पढ़ाई और कौशल प्रशिक्षण सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री ने कलिंगा शैक्षणिक संस्थान के समग्र कामकाज की सराहना की। इस अवसर पर अच्युत सामंत ने मंत्री और विधायक को अपनी लिखित पुस्तकें 'आर्ट ऑफ़ गिविंग' और 'माई मदर माईहीरो' भेंटकी।

विधेयकों पर राष्ट्रपति, राज्यपाल की कार्रवाई के खिलाफ राज्य रिट याचिका दायर नहीं कर सकते: केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि राज्य सरकारें विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों से निपटने में राष्ट्रपति और राज्यपाल की कार्रवाई के खिलाफ मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को लेकर शीर्ष अदालत में रिट याचिका दायर नहीं कर सकतीं।

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को बताया कि राष्ट्रपति इस बारे में शीर्ष अदालत की राय जानना चाहेंगी कि क्या राज्य सरकारें मौलिक अधिकारों के उल्लंघन को लेकर संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 361 के दायरे पर भी राय चाहेंगी, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पद की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और निष्पादन या किए गए किसी भी कार्य के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे। मेहता ने पीठ को बताया कि उन्होंने संदर्भ में इन सवालों पर बहस की है, लेकिन राष्ट्रपति की राय है कि वह सही कानूनी स्थिति जानने के लिए अदालत का विचार जानना चाहेंगी, क्योंकि भविष्य में यह मुद्दा उठ सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं।

विधायक राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेड्डी की प्रतिकृति वाली गणेश प्रतिमा पर आपत्ति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की गोशामहल विधानसभा सीट से विधायक टी राजा सिंह ने गणेश की उस प्रतिमा को स्थापित करने पर आपत्ति जताई, जो कथित तौर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मिलती जुलती थी। हालांकि इसे हटाकर भगवान गणेश की दूसरी प्रतिमा स्थापित कर दी गई है।

बुधवार को शुरू हुए गणेश चतुर्थी उत्सव के मौके पर, तेलंगाना मत्स्य महासंघ के अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता मेट्टू साई कुमार ने हबीबनगर पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत शहर के एक पंडाल में प्रतिमा स्थापित की।

राजा सिंह ने हैदराबाद पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में कहा कि उन्हें एक ऐसा पंडाल मिला जहां गणेश की प्रतिमा कथित तौर पर रेवंत रेड्डी जैसी बनाई गई थी। विधायक ने हैदराबाद पुलिस से तत्काल कार्रवाई करने और धार्मिक आस्थाओं के प्रति सम्मान तथा सद्भाव बनाए रखने के लिए पंडाल को हटाने का अनुरोध किया। राजा सिंह ने पत्र में कहा, हम पूरे सम्मान के साथ इस बात को समझते हैं कि वह तेलंगाना के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन हमारे लिए वह कोई देवता नहीं हैं। इस तरह के गलत कृत्य से हिंदू समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है।

प्रतिमा की स्थापना (मुख्यमंत्री से संबंधित पोशाक में गणेश को दर्शाती हुई) सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि कुछ लोगों द्वारा आपत्ति जताये जाने के बाद साई कुमार ने बुधवार को खुद ही प्रतिमा हटा दी और उसकी जगह भगवान गणेश की दूसरी प्रतिमा स्थापित कर दी।

जन धन खातों की संख्या बढ़कर 56.16 करोड़ हुई, 2.68 लाख करोड़ रुपए जमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खोले गए खातों की संख्या 11 वर्ष में बढ़कर 56.16 करोड़ हो गई है। इन खातों में 2.68 लाख करोड़ रुपए जमा किए गए। वित्त मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पीएमजेडीवाई के तहत खातों की संख्या मार्च 2015 के 14.72 करोड़ से बढ़कर 13 अगस्त 2025 तक 56.16 करोड़ हो गई है। पीएमजेडीवाई खाताधारकों में 56 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। वहीं 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में सीधे 45 लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए। भारत की 94 प्रतिशत वयस्क आबादी का अब बैंक खाता है। प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को की गई थी। इस योजना के तहत खोले गए खातों में शून्य राशि सुविधा, मुफ्त रुपे कार्ड, दुर्घटना बीमा और 'ओवरड्राफ्ट' सुविधा मिलती है।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के किसी बड़े नेता को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया?: केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को भाजपा और कांग्रेस के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के किसी भी 'बड़े नेता' को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।

केजरीवाल ने यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों और पार्षदों से मुलाकात की। उन्होंने पार्टी की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारश्रे के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बारे में बात की। उन्होंने कहा,

हमें समझौते के प्रस्ताव मिलते रहते हैं। अब तो लोग भी देख रहे हैं कि कांग्रेस ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है। नेशनल हेराल्ड मामला एक स्पष्ट मामला है। लेकिन कांग्रेस का कोई भी बड़ा नेता जेल नहीं गया। हमारे पांच बड़े नेताओं को एक फर्जी मामले में जेल भेज दिया गया।

केजरीवाल ने अपनी पार्टी से कहा कि वह कभी 'समझौता' न करे। उन्होंने कहा, 2जी मामला और कोयला घोटाला मामला बंद कर दिया गया। अब तो लोग भी कांग्रेस और भाजपा के बीच सांठगांठ की बात कर रहे हैं। हम राजनीति में देश प्रेम की वजह से आए हैं, समझौता करने के लिए नहीं। हम देश के लिए लड़ते रहेंगे। आपको पार्टी, सत्ता, खुद या अपने परिवार के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए।

दोपहिया वाहन चालकों के लिए छोटी कारों का विकल्प लेकर आना जरूरी: मारुति चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने बृहस्पतिवार को कहा कि निचले तबके के उपभोक्ताओं को जोखिम भरे दोपहिया वाहनों की जगह यात्री कारों का विकल्प देने के लिए कम कर स्लैब वाली छोटी कारें पेश करने की जरूरत है।

भार्गव ने यहां कंपनी की 44वीं वार्षिक आम बैठक में कहा कि शुरुआती स्तर पर पेश की जाने वाली कारों की कीमतें बढ़ जाने से कई लोग अब इन्हें खरीद नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा, आज बहुत सारे लोग दोपहिया वाहन से यात्रा करते हैं। ये वाहन जोखिम से भरपूर होते हैं और पूरी तरह आरामदायक भी नहीं होते। इसलिए स्कूटर चलाने वालों के लिए हमें ऐसी छोटी कारें लाने पर विचार करना चाहिए, जो सुरक्षित हों और उनके लिए एक बेहतर विकल्प बन सकें। भार्गव ने कहा कि 1950 के दशक में जापान ने केई कारें पेशकर इसी तरह की समस्या का समाधान किया था। उन्होंने कहा कि ये कारें छोटी होती हैं, इनमें सुरक्षा नियम कम होते हैं और इन पर अन्य कारों की तुलना में कर भी कम लगता है।

छोटी कारों की कीमतों में वृद्धि के कारणों पर विस्तार से बताते हुए भार्गव ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 में यह निर्णय लिया गया था कि भारत में यूरोपीय सुरक्षा एवं उत्सर्जन मानकों को लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यही कारण है कि छोटी कारों की बिक्री में गिरावट आई और फिर कार उद्योग में समग्र नरमी देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि निचले तबके के कई लोग, जो दोपहिया वाहन खरीद रहे हैं और उनका उपयोग कर रहे हैं, वे अधिक कीमत वाली सुरक्षित कारें खरीदने में असमर्थ हैं। भार्गव ने कहा, हमारा मानना है कि हमें इस स्थिति को इस तरह संतुलित करने की जरूरत है कि दोपहिया वाहन चलाने वाले लोग सुरक्षित कारों की तरफ जा सकें, क्योंकि सुरक्षा की दृष्टि से दोपहिया वाहन सबसे अधिक जोखिम भरे होते हैं। उन्होंने कहा कि छोटी कार खंड के पुनरुद्धार से कार उद्योग की समग्र वृद्धि तेजी से हो सकती है।

भार्गव ने कहा, छोटी कारों को बढ़ावा देने पर ज्यादा उद्योग लगेंगे और रोजगार के ज्यादा मौके बनेंगे। मुझे लगता है कि इन सब की जरूरत है, खासकर ऐसे समय में जब बाकी क्षेत्रों में 'हुनरमंद लोगों की कमी' जैसी परेशानियां सामने आ रही हैं। हमें पूरे भारत की स्थिति को बेहतर बनाने में अपना योगदान देना होगा।

तमिलनाडु भारत के औद्योगिक कार्यबल का केंद्र है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य, भारत के औद्योगिक कार्यबल के केंद्र के रूप में उभरा है और यह उपलब्धि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के प्रयासों के कारण संभव हुई है।

स्टालिन ने उनके नेतृत्व वाली सरकार के प्रदर्शन की आलोचना करने वाले अपने राजनीतिक विरोधियों को भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण 2023-24 के परिणामों से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी को चुप हो जाना चाहिए था, जो उनकी सरकार की आलोचना कर रहे थे।

स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सर्वेक्षण (परिणाम) केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा अमित शाह और पलानीस्वामी को दिया गया एक उचित जवाब है, जो द्रमुक शासन की आलोचना करते हैं।'' राज्य के उद्योग मंत्री टी आर बी राजा द्वारा इस विषय पर पहले की गई पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रमुक सरकार ने यह उपलब्धि शुरू की गई परियोजनाओं, बेहतर कानून-व्यवस्था, व्यापार करने के लिए माहौल में सुधार, निर्बाध बिजली और परिवहन सुविधाओं जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण और युवा पीढ़ी को काम के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के कारण हासिल की है।

स्टालिन ने कहा, ''हम द्रविड़वाद के अनुसार जीते हैं! द्रविड़वाद हमें ऊपर उठाता है और सभी को जीने में मदद करता है।'' उन्होंने कहा कि द्रविड़ मॉडल शासन की उपलब्धियों का इतिहास बनना जारी रहेगा।

केरल में भारी बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन और जलभराव, छह जिलों में 'ऑरेंज' अलर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में बृहस्पतिवार को भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए, बांधों का जलस्तर बढ़ गया और भूस्खलन की घटनाएं हुईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन के लिए छह जिलों में 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने राज्य के एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। वहीं पांच जिलों, पथनमथिट्टा, इडुक्की, पलक्कड़ और मलप्पुरम में भी गुरुवार के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है। 'ऑरेंज' अलर्ट का मतलब 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर तक बहुत भारी बारिश तथा येलो' अलर्ट का मतलब छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर तक की भारी बारिश है।

वायनाड में भारी बारिश के कारण थमारास्सेरी दर्रे पर भारी भूस्खलन हुआ, जिससे वहां यातायात पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। जिला प्रशासन ने बताया कि बाद में जनता और विभिन्न प्राधिकारियों के सामूहिक प्रयासों से इसे आपातकालीन यातायात के लिए खोल दिया गया। जिला प्रशासन ने बताया कि अधिकारियों ने भूस्खलन स्थल का निरीक्षण किया, जहां 30 मीटर की ऊंचाई से बड़े-बड़े चट्टान, मिट्टी और पेड़ गिरे थे। जिले के अधिकारियों ने यह भी बताया कि क्षेत्र में और अधिक भूस्खलन की संभावना है। भविष्य में बड़े भूस्खलन की संभावना को रोकने के उपाय तलाशने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति इस क्षेत्र का दौरा करेगी। पथनमथिट्टा, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़ और वायनाड जिलों में विभिन्न बांधों में जल स्तर चेतावनी के तीसरे चरण पर पहुंच गया है। आईएमडी ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। तेज हवाओं और खराब मौसम की संभावना के कारण बृहस्पतिवार और शुक्रवार को केरल-लक्षद्वीप तटों पर तथा एक सितंबर तक कर्नाटक तट पर मछली पकड़ने की गतिविधियों पर रोक लगाने की सलाह दी गई है।

'अमेरिकी शुल्क से तमिलनाडु से होने वाले निर्यात पर पड़ेगा भारी असर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा आयात शुल्क 50 प्रतिशत तक बढ़ाने से राज्य के निर्यात पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी शुल्क से केवल तिरुपुर के वस्त्र उद्योग में ही लगभग 3,000 करोड़ का व्यापार प्रभावित होने की आशंका है और हजारों नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से घरेलू उद्योगों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए संरचनात्मक सुधारों को तत्काल लागू करने की मांग की।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क से 50 प्रतिशत तक बढ़ाने से तमिलनाडु के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। विशेष रूप से तिरुपुर के वस्त्र क्षेत्र पर, जिससे लगभग 3,000 करोड़ का व्यापार प्रभावित होने की आशंका है और हजारों नौकरियों पर संकट खड़ा हो गया है।''

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार से उद्योगों और श्रमिकों की रक्षा के लिए तत्काल राहत और संरचनात्मक सुधारों की अपनी मांग दोहराई है।

रेलवे सात मार्गों पर वंदे भारत ट्रेन में अतिरिक्त डिब्बे जोड़ेगा

चेन्नई/नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने यात्रियों के बीच लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए सात परिचालन मार्गों पर वंदे भारत ट्रेन में अतिरिक्त डिब्बे जोड़ने का फैसला किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिन मार्गों पर अतिरिक्त डिब्बे वाली वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएंगी, उनमें मंगलुरु सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, सिकंदराबाद-तिरुपति, चेन्नई एग्मोर-तिरुनेलवेली, मदुरै-बेंगलुरु कैंट, देवघर-वाराणसी, हावड़ा-राउरकेला और इंदौर-नागपुर शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, मौजूदा समय में इन मार्गों पर आठ डिब्बे वाली चार और 16 डिब्बे वाली तीन वंदे भारत ट्रेन चलाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे बोर्ड ने कुछ अन्य मार्गों पर भी वंदे भारत ट्रेन संचालित करने का फैसला किया है।

रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा, 16 डिब्बों वाली वंदे भारत ट्रेन में डिब्बों की संख्या बढ़ाकर 20 की जाएगी। वहीं, आठ डिब्बों वाली वंदे भारत ट्रेन में इतने ही अतिरिक्त डिब्बे जोड़कर डिब्बों की संख्या 16 की जाएगी। कुमार के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 (31.0%.2025 तक) में यात्री संख्या और कोच वृद्धि की व्यवहार्यता के आधार पर, 16 डिब्बों वाली तीन वंदे भारत ट्रेन में अस्थाई रूप से डिब्बों की संख्या बढ़ाकर 20 और आठ डिब्बों वाली चार वंदे भारत ट्रेन में डिब्बों की संख्या बढ़ाकर 16 करने की योजना बनाई गई है। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि सात वंदे भारत ट्रेन के उन्नयन के अलावा, 20 डिब्बों वाली कई वंदे भारत ट्रेन लॉन्च करने के लिए, जबकि 16 डिब्बों वाली एक ट्रेन विस्तार के लिए उपलब्ध होगी। कुमार ने कहा, यात्रियों की संख्या के आधार पर वंदे भारत ट्रेन सेवा की एक अस्थायी प्रतिस्थापन योजना बनाई जा रही है। इसके बाद, 16 और आठ डिब्बों वाली खाली ट्रेन का इस्तेमाल नयी सेवाओं के संचालन के लिए किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, निर्धारित उन्नयन के तहत मंगलुरु सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, सिकंदराबाद-तिरुपति और चेन्नई एग्मोर-तिरुनेलवेली मार्ग पर 16 की जगह 2 डिब्बों वाली, जबकि मदुरै-बेंगलुरु कैंट, देवघर-वाराणसी, हावड़ा-राउरकेला और इंदौर-नागपुर मार्ग पर आठ की जगह 16 डिब्बों वाली वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएंगी।

टीवीके प्रमुख विजय को आरएसएस से सीखना चाहिए : मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के नेता एवं केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलगा वेत्री कषगम के संस्थापक नेता विजय को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से सीखना चाहिए और फिर उसकी आलोचना करनी चाहिए। आरएसएस की प्रशंसा करते हुए मुरुगन ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले आरएसएस के स्वयंसेवी ही मदद के लिए पहुंचते हैं और बदलाव के लिए समाज की भलाई का काम करते हैं।

मुरुगन ने संवाददाताओं से कहा कि चाहे 2004 की सुनामी हो, बाढ़ हो या कोरोना वायरस महामारी हो, आरएसएस के स्वयंसेवकों ने प्रभावित लोगों के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी प्राकृतिक आपदा हो, आरएसएस कार्यकर्ताओं ने जनता के लिए काम किया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर अन्नाद्रमुक ऐसे संगठन की आवाज सुनती है तो यह स्वागत योग्य है। उन्होंने आरएसएस के बारे में कहा, ''यह 100 साल पुराना संगठन है जो सेवा के लिए प्रतिबद्ध है, यह एक स्वतंत्र संगठन है।'' उन्होंने कहा कि अगर ऐसा संगठन किसी पार्टी का मार्गदर्शन करता है तो इसमें क्या गलत है। एक अन्य सवाल के जवाब में, मंत्री ने कहा कि ''विजय को आरएसएस से सीख लेनी चाहिए और उन्होंने इस सदियों पुराने संगठन के क्रमिक विकास का वर्णन किया। उन्होंने कहा, विजय को खुद को सुधारना चाहिए। विजय को आरएसएस से सीखना चाहिए।''

मुरुगन ने कहा, ''इसके काम को देखिए, स्वच्छता और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में आदिवासियों के लिए किया गया काम; इसी तरह, अनुसूचित जातियों के लिए किया गया काम और जब भी प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, तो आरएसएस कार्यकर्ता सबसे पहले मदद करने वालों में शामिल होते हैं। इसलिए, आरएसएस से सीखिए और फिर आलोचना कीजिए।''

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने 21 अगस्त को मदुरै में आयोजित अपनी पार्टी के दूसरे राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के (अन्नाद्रमुक के साथ) ''गठबंधन'' की आलोचना की थी। परोक्ष रूप से, उन्होंने अन्नाद्रमुक पर भ्रष्ट होने का भी आरोप लगाया था। उन्होंने भाजपा की आलोचना की थी और दावा किया था कि केंद्र में अपनी 'अल्पमत' सरकार चलाने के लिए उसने आरएसएस समेत अन्य दलों के साथ गठबंधन कर लिया है।

अमेरिकी शुल्क के मद्देनजर निर्यातकों को राहत प्रदान करें केंद्र और राज्य सरकार : कमल हासन

चेन्नई। मक्कल नीधि मैयम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय निर्यातकों पर लगाया गया 50 प्रतिशत शुल्क भारतीय आजीविका की संप्रभुता के लिए चुनौती है और केंद्र तथा राज्य सरकारों को निर्यातकों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन राहत के रूप में सरकारें एमएसएमई ऋण वापसी पर दो वर्ष की रोक तथा एक विशेष आपातकालीन ऋण सुविधा प्रदान कर सकती हैं।

राज्यसभा सदस्य ने सुझाव दिया कि अस्थायी बिजली-शुल्क रियायतें, नए बाजार खोलने के लिए माल ढुलाई सहायता, सिंथेटिक धागे के लिए सुगम आयात मानदंड प्रदान किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश को प्रभावित क्षेत्रों के लिए नए वैश्विक बाजारों की पहचान करनी चाहिए और उनमें प्रवेश की सुविधा प्रदान करनी चाहिए।

एमएनएम नेता ने कहा, ''हमारे निर्यातकों पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क न तो व्यापार और न ही यूक्रेन के बारे में है। यह एक राजनीतिक हथियार है, जिसका उद्देश्य हमारे संकल्प को हिलाना है। जब भारतीय आजीविका की संप्रभुता को चुनौती दी जा रही है, तो राष्ट्र को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। मैं केंद्र और राज्य सरकारों से तत्काल राहत प्रदान करने का आग्रह करता हूं।'' उन्होंने तिरुपुर, सूरत और नोएडा के निर्यातकों, आंध्र प्रदेश के झींगा किसानों, गुजरात और महाराष्ट्र के रत्न एवं आभूषण उद्योग तथा इस्पात श्रमिकों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

मार-ए-थॉन : भारत का समुद्री हैकथॉन पर कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के तत्वावधान में राष्ट्रीय समुद्री परिसर (एनएमसी) ने राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी), आईआईटी मद्रास के सहयोग से 25 अगस्त 2025 को आईआईटी मद्रास में मार-ए-थॉन 'भारत का समुद्री हैकथॉन' का आयोजन किया। सागरमाला स्टार्टअप इनोवेशन इनिशिएटिव (एस2आई2) के अंतर्गत आयोजित मार-ए-थॉन - भारत का समुद्री हैकथॉन, स्टार्टअप और उद्यमिता के माध्यम से समुद्री क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने और नवाचार एवं उद्यमिता के माध्यम से समुद्री क्षेत्र के परिवर्तन में तेजी लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत पंजीकृत सोसायटी, राष्ट्रीय समुद्री परिसर (एनएमसी) की परिकल्पना एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में की गई है जो स्टार्ट-अप्स की रचनात्मकता और चपलता, शिक्षा जगत की बौद्धिक गहराई और समुद्री उद्योग के नेताओं के व्यावहारिक ज्ञान का लाभ उठाकर भारत के समुद्री क्षेत्र में बदलाव को आगे बढ़ाएगा। राष्ट्रीय समुद्री परिसर, मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप, भारत के समुद्री भविष्य को आकार देने की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। नवाचार, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर अपने फोकस के साथ, एनएमसी भारत को एक अग्रणी समुद्री राष्ट्र में बदलने में उत्प्रेरक का काम करेगा। आईआईटी मद्रास, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी खड़गपुर और भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय से युक्त समुद्री नवाचार केंद्र, समुद्री नवाचारों को पोषित करने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

विक्रेता विकास जागरूकता कार्यक्रम - 2025

(अ.जा./अ.ज. और महिला उद्यमियों हेतु विशेष महत्व)

सभी विक्रेताओं और सम्मानित आपूर्तिकर्ताओं को **03.09.2025 को दोपहर 14:30 बजे से शाम 17:00 बजे तक** विक्रेता विकास जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है ताकि वे ICF की व्यावसायिक संभावनाओं से परिचित हो सकें, जिसमें अ.जा./अ.ज. और महिला उद्यमियों पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।

सभी निर्माताओं को सादर आमंत्रण

स्थलः **उन्नत वेल्डिंग प्रशिक्षण संस्थान (AWTI)**,
इंटीग्रल कोच फ़ैक्ट्री, चेन्नई - 600 038.

बिहार में राहुल गांधी के राष्ट्रविरोधी नाटक को जनता देख रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद द्वारा जारी बयान में उन्होंने बताया कि भारतीय जनता बिहार में राहुल गांधी के आंदोलन को समझ चुकी है, जो चुनावी लाभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और भाजपा को निशाना बनाकर किया गया एक सुनियोजित प्रचार अभियान है। 27 अगस्त को वोट चोरी और चुनावी चोरी के तथाकथित गुजरात मॉडल के निराधार आरोपों के साथ शुरू किया गया यह अभियान उनकी लुप्त होती राजनीतिक प्रासंगिकता को पुनर्जीवित करने और 2030 के लिए खुद को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में स्थापित करने का एक हताश प्रयास है। कथित तौर पर विदेशी राजनीतिक व मीडिया फर्मों द्वारा समर्थित, राहुल का लक्ष्य खुद को और कांग्रेस को नया रूप देना है, साथ ही एमके स्टालिन और ममता बनर्जी जैसे भारतीय गठबंधन के नेताओं पर उन्हें एक दुर्जेय नेता के रूप में स्थापित करने का दबाव बनाना है।

उन्होंने कहा कि राहुल के आरोपों में कोई सबूत नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग ने उन्हें बार-बार सबूत पेश करने की चुनौती दी है, जो वे समय सीमा बीत जाने के बाद भी नहीं दे पाए हैं। ईवीएम से छेड़छाड़ के पिछले आरोपों की तरह, सनसनीखेज, अप्रमाणित दावों का यह सिलसिला उनके राजनीतिक दिवालियापन को उजागर करता है। विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संस्था, चुनाव आयोग ने उनके आरोपों को निराधार और संविधान का अपमान बताते हुए खारिज कर दिया है, और कहा है कि मतदाता सूची में संशोधन पारदर्शी है और बिहार जैसे राज्यों में उचित प्रक्रिया के बाद नाम हटाए गए हैं। अगर वोट चोरी व्यवस्थित थी, तो कांग्रेस कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में अपनी जीत को कैसे समझाएगी?

उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर समेत भाजपा नेताओं ने राहुल के पाखंड को उजागर किया और कहा है कि कांग्रेस बार-बार चुनावी हार को छिपाने के लिए ईवीएम, मतदाता दमन या वोट चोरी जैसे बहाने गढ़ती है। उनके द्वारा बताए गए मतदाता विसंगति के आंकड़े जांच के दौरान ध्वस्त हो गए, जिससे कांग्रेस के अंदरूनी अंतर्विरोध उजागर हो गए। यह गठबंधन के बावजूद 2024 के लास चुनाव में उनके निराशाजनक प्रदर्शन से उपजा है, जो राहुल की प्रभावी नेतृत्व क्षमता में अक्षमता को उजागर करता है। तमिलनाडु में एमके स्टालिन की द्रमुक, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव सहित इंडी गठबंधन, राहुल के विभाजनकारी एजेंडे को बढ़ावा देता है। बिजली दरों में बढ़ोतरी, कानून-व्यवस्था की विफलताओं और वंशवादी राजनीति से ग्रस्त द्रमुक का शासन, कांग्रेस की खामियों को दर्शाता है। राहुल के निराधार विरोधों को इन नेताओं का समर्थन, रचनात्मक शासन के बजाय अराजकता के ज़रिए सत्ता पर काबिज़ रहने की उनकी हताशा को दर्शाता है। राहुल का अभियान सीधे तौर पर विकसित भारत 2047 पर हमला करता है, जो प्रधानमंत्री मोदी का एक वैश्विक महाशक्ति भारत का विज़न है, जो अभूतपूर्व बुनियादी ढाँचे और आर्थिक विकास से चिह्नित है। उनकी विभाजनकारी रणनीति का उद्देश्य राष्ट्रीय कल्याण पर व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए इस प्रगति को पटरी से उतारना है। बिहार की जनता ने उनके राष्ट्र-विरोधी बयानों को नकारते हुए, कांग्रेस-मुक्त भारत के लिए एक आंदोलन छेड़ दिया है। यह आंदोलन कांग्रेस की भ्रष्टाचार, वंशवादी राजनीति और विभाजनकारी बयानबाजी की विरासत को देशव्यापी अस्वीकृति दर्शाता है।

कुलशेखरपट्टिनम प्रक्षेपण परिसर दिसंबर 2026 तक तैयार होने की उम्मीद : इसरो प्रमुख

कुलशेखरपट्टिनम (तमिलनाडु)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने कहा है कि तूतीकोरिन जिले में देश के दूसरे प्रक्षेपण परिसर का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है और इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रति वर्ष लगभग 25 प्रक्षेपण होने की संभावना है। बुधवार को यहां प्रक्षेपण स्थल के लिए भूमि पूजन में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यहां से 500 किलोग्राम का पेलोड 400 किलोमीटर की ऊंचाई तक ले जाने में सक्षम लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) का उपयोग करके उपग्रहों का प्रक्षेपण किया जाएगा। यह परिसर 2300 एकड़ भूमि पर बनाया जा रहा है और आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थित परिसर के बाद यह इस तरह का दूसरा परिसर होगा।

उन्होंने कहा, दिसंबर 2026 तक काम पूरा हो जाएगा - यही हमारा लक्ष्य है। हम अगले साल के अंत तक रॉकेट प्रक्षेपण की योजना बना रहे हैं। प्रधानमंत्री उचित समय पर सही प्रक्षेपण तिथि की घोषणा करेंगे। उन्होंने आगे कहा, सालाना 20-25 उपग्रह प्रक्षेपण होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी 2024 में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से तटीय गांव कुलशेखरपट्टिनम में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान परिसर (एसएलसी) की आधारशिला रखी थी। पीएसएलवी और जीएसएलवी की तुलना में एसएसएलवी भिन्न होते हैं। पीएसएलवी और जीएसएलवी भारी वजन ले जा सकते हैं और आमतौर पर गहन अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रमों में उपयोग किए जाते हैं। पीएसएलवी और जीएसएलवी भारत के पहले अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किए जाते हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार
खेल विभाग
(युवा मामले और खेल मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय)

एफ.सं. 01-04001 (01)/16/2024-Recruitment Cell/407 दिनांक : 11-08-2025

अधिसूचना

कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के पद पर भर्ती

- भारत की खेल उत्कृष्टता की खोज का हिस्सा बनने का अवसर

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) द्वारा कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी (Junior Translation Officer) के 05 नियमित पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह भर्ती कर्मचारी चयन आयोग (Staff Selection Commission) द्वारा आयोजित ''पब्लिक डिस्क्लोजर ऑफ स्कोर्स, जूनियर हिंदी अनुवादक परीक्षा, 2023'' में सूचीबद्ध उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित कर प्रत्येक श्रेणी (यूआर / ओबीसी) के अनुसार रिक्त पदों के अनुपात में 1:5 के अनुपात में की जाएगी।

पात्रता की शर्तें:

i. **शैक्षणिक योग्यता** : अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में अंग्रेजी के साथ या डिग्री स्तर पर परीक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री; या अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में या डिग्री स्तर पर परीक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी के साथ अंग्रेजी में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री; या हिंदी या अंग्रेजी के अलावा किसी भी विषय में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री, अंग्रेजी माध्यम के साथ और हिंदी अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में या डिग्री स्तर पर परीक्षा के माध्यम के रूप में; या हिंदी या अंग्रेजी के अलावा किसी भी विषय में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री, हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में या दोनों में से एक माध्यम परीक्षा के रूप में और दूसरा डिग्री स्तर पर अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में।

i. आयु सीमा : 30 वर्ष से अधिक नहीं (ऑनलाइन आवेदन के उद्घाटन दिनांक के अनुसार)। विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षण के संबंध में भारत सरकार के प्रचलित दिशा-निर्देशों के अनुसार डीओपीटी द्वारा समय-समय पर जारी किए गए कार्यालय ज्ञापनों के अनुसार लागू होंगे।

ii. **चयन** : Public Disclosure List of Staff Selection Commission with the subject "Public Disclosure Of Scores, Junior Hindi Translator Examination, 2023 के अंकों पर आधारित मेरिट सूची

iii. **वेतनमान** : वेतन मैट्रिक्स स्तर-06 (7वां सी पी सी)

- **महत्त्वपूर्ण** : आवेदन जमा करने के लिए केवल निमंत्रण दिया गया है, जिसका अर्थ अंतिम चयन नहीं है। ऑफर लेटर मेरिट और रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर जारी किए जाएंगे।
- **विवरण एवं आवेदन के लिए वेबसाइट देखें** : https://sportsauthorityofindia.nic.in
- प्रश्नों के लिए ईमेल करें : recruitment.cell.sai@gov.in
- अंतिम तिथि एवं विस्तृत अधिसूचना SAI की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है।

CBC 47103/12/0008/2526

निवेशक राज्य की विकास यात्रा में बनें सहभागी : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान को केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि समृद्ध, सशक्त और सर्वोपरि राज्य बनाने की प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। राज्य में निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि उद्यमी अधिक से अधिक निवेश कर राज्य की विकास यात्रा में सहभागी बनें।

शर्मा गुरुवार को जयपुर में इकोनॉमिक टाइम्स राजस्थान बिजनेस समिट 2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टिकोण से सबसे बड़ा तथा व्यापारिक दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन से राज्य सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर धरातल पर काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को अधिक सुगम बनाने के लिए राज्य में राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान मिनरल पॉलिसी, रीको प्रत्यक्ष आवंटन नीति, डेटा सेंटर नीति, वस्त्र एवं परिधान नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति जैसी नीतियां जारी की गई।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में देशभर में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। देश के कुल खनिज ब्लॉक आवंटन का 20 प्रतिशत अकेले राजस्थान से हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने विजन डॉक्यूमेंट-2047 को मंजूरी दी है। यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राजस्थान के सुनहरे भविष्य का खाका है। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक राजस्थान 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 सौर परियोजनाओं को मंजूरी, नई भूमि आवंटन नीति, पंच गौरव जैसे नवाचारों एवं निर्णयों से ऊर्जा एवं उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। जोधपुर-पाली औद्योगिक गलियारा, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो 19 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 50,000 प्रत्यक्ष और 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा वस्त्र, कृषि, इंजीनियरिंग और ऑटो क्लस्टर उद्योगों पर केंद्रित यह परियोजना राजस्थान को औद्योगिक मानचित्र पर नया स्थान दिलाएगी।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है तथा 2027 तक सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' से प्रेरणा लेते हुए 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। अभियान के तहत 5 वर्ष में 50 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है तथा अब तक हम 17 करोड़ से अधिक पौधे लगा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में असीमित अवसरों के साथ प्राकृतिक संसाधन एवं कुशल मानव संसाधन मौजूद है। राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमने 5 साल के कार्यकाल में युवाओं को 4 लाख सरकारी और निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण, 1 हजार 300 गांवों को डामर सड़कों से जोड़ना, मिसिंग लिंक रोड का निर्माण, जयपुर एयरपोर्ट का विस्तार सहित विभिन्न कार्यों से राज्य में विकास के नए मानदंड स्थापित किए जा रहे हैं।

'विकेन्द्रित सौर संयंत्रों से संबद्ध फीडरों में तुरन्त जारी होंगे कृषि कनेक्शन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय किया है। अब पीएम कुसुम योजना के तहत स्थापित विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्रों से जुड़े 33/11 केवी सब स्टेशन क्षेत्रों में अलग से प्राथमिकता के आधार पर तत्काल कृषि कनेक्शन जारी किए जा सकेंगे। इसके लिए कृषि कनेक्शन नीति-2017 में संशोधन को भी मुख्यमंत्री ने मंजूरी दे दी है। प्रदेश के तीनों विद्युत वितरण निगमों ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय के पश्चात अब ऐसे सौर ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता के अनुसार 33/11 केवी से निकलने वाले फीडरों पर कृषि कनेक्शन के लिए आवेदकों को पृथक से प्राथमिकता से मांग पत्र जारी किए जा सकेंगे। मांग पत्र जमा होने के बाद आवेदकों को तुरंत प्राथमिकता से कनेक्शन जारी कर दिए जाएंगे।

मौजूदा समय में कृषि कनेक्शन नीति-2017 के अन्तर्गत सामान्य श्रेणी के कृषि कनेक्शन के आवेदकों को राज्य सरकार द्वारा घोषित निर्धारित अंतिम तिथि (कट ऑफ डेट) के अनुसार डिमांड नोट जारी किए जाते हैं। मांग पत्र जमा होने के बाद कनेक्शन जारी करने की प्राथमिकता मूल आवेदन तिथि के अनुसार संधारित की जाती है। वहीं अन्य श्रेणी-ड्रिप, डिग्गी अथवा शहरी क्षेत्र के आवेदकों के मांग पत्र तुरन्त प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाते हैं। इन आवेदकों के लिए कनेक्शन जारी करने की प्राथमिकता मांग पत्र जमा करवाने की तिथि के अनुसार संधारित की जाती है। वर्तमान में 22 फरवरी 2022 तक की कट ऑफ डेट के अनुसार सामान्य श्रेणी के आवेदकों को कनेक्शन देय हैं। राज्य में फिलहाल 78 हजार 498 कृषि कनेक्शन लंबित हैं, जिनमें डिमाण्ड नोट जमा किए जा चुके हैं। वहीं इसके बाद 2 लाख 27 हजार 913 नए आवेदन प्राप्त हुए है।

उल्लेखनीय है कि पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में प्रदेश में धरातल पर तेजी से काम हो रहा है। प्रदेश की गांव-ढाणियों में लगभग 1543 मेगावाट क्षमता के 776 विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें भी 1420 मेगावॉट क्षमता के प्लांट मात्र डेढ़ वर्ष के भीतर स्थापित किए गए हैं। इन सौर ऊर्जा संयंत्रों से 1 लाख से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को खेती के लिए दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। यह संयंत्र विद्युत सब-स्टेशन से 5 किलोमीटर के दायरे में स्थापित किए जाते हैं। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से सौर ऊर्जा संयंत्रों से दिन में उत्पादित हो रही बिजली का उपयोग कृषि क्षेत्र में हो सकेगा और बड़ी संख्या में किसानों को कृषि कनेक्शन जारी किए जा सकेंगे। जिससे कृषि कनेक्शनों की आवेदन सूची में कमी आएगी।

आधार के दुरूपयोग को रोकने में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका, साइबर फ्रॉड पर लगे अंकुश : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि प्रदेश में आधार के दुरूपयोग एवं इससे होने वाले साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए एआई (अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाल आधार (5 साल तक के बच्चे का आधार) सैचुरेशन को बढ़ाने के लिए सम्बंधित सभी विभाग आवश्यक कार्यवाही में तेजी लाए एवं लंबित कार्यों को शीघ्र सम्पादित करें।

मुख्य सचिव सुधांश पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित यूआईडी कार्यान्वयन समिति (यूआईडीआईसी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधार की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए तकनीक के इस दौर में एआई का उपयोग कर आधार से सम्बंधित साइबर फ्रॉड को रोका जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक प्रयास करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में पंत ने बाल नामांकन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक कार्यवाही के दिशा निर्देश दिए। उन्होने कहा कि 5 वर्ष तक आयु के बच्चों के आधार नामांकन के लिए प्रदेश में प्रीस्कूल और आंगनबाड़ियों में विशेष अभियान चला कर जागरूकता फैलाई जाए। प्रदेश के सरकारी एवं निजी विद्यालयों को इस सम्बन्ध में निर्देशित कर आधार नामांकन में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न आईईसी गतिविधियों के माध्यम से इस दिशा में व्यापक प्रचार-प्रसार कर माता-पिता को बाल आधार नामांकन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन पर भी विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया। पंत ने सम्बंधित विभागों को आधार नामांकन एवं अपडेशन की प्रक्रिया में आवश्यक अन्य दस्तावेजों के भी डिजिटाइजेशन के लिए निर्देश दिए।

बैठक में निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण, नई दिल्ली, कुमार उज्ज्वल ने राज्य में आधार सैचुरेशन की स्थिति एवं अन्य आवश्यक विषयों पर चर्चा की ।

शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, श्रीमती अर्चना सिंह ने इस सम्बन्ध में नोडल विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर यूआईडीआईसी की गत बैठक में विभागों को दिए गए निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की गई। जिसके तहत प्रदेश में अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट, आधार लिंक बर्थ रजिस्ट्रेशन (एएलबीआर), स्टेट वेरिफिकेशन पोर्टल की स्थिति, जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति (डीएलएएमसी) जैसी विषयों की प्रगति की जानकारी साझा की गई। समीक्षा में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और सुशासन कार्यक्रमों में आधार-सक्षम सेवाओं को भी शामिल किया गया।

गणेश चतुर्थी के वार्षिक मेले के दौरान मानसून की झड़ी और भक्ति की धूम में सराबोर रहे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले के विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर दुर्ग में स्थित एकमात्र त्रिनेत्र गणेश मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक लक्खी मेला गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस वार्षिक महोत्सव में भक्ति, उत्साह और आस्था का अभूतपूर्व नजारा दिखा। मौसम के प्रतिकूल हालात के बावजूद, बेहतरीन प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने पूरे आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बना दिया। जिला प्रशासन, नगर परिषद और पंचायती राज विभाग की ओर से सवाई माधोपुर शहर, रणथंभौर रोड, मेला मार्ग और किला तथा मंदिर परिसर क्षेत्र में साफ-सफाई और स्वच्छता ने इस बार मेले की भव्यता को नया आयाम दिया।

सवाई माधोपुर जिला कलक्टर काना राम ने त्रिनेत्र गणेश मेले के सफल आयोजन के लिए श्रद्धालुओं, आम जिलावासियों, मेला समिति सहित विभिन्न गतिविधियों की आयोजन समितियों और प्रशासनिक अधिकारियों को भी बधाई दी। उन्होंने विशेषकर पुलिस तथा वन विभाग सहित सभी सरकारी विभागों और संस्थाओं के कार्मिकों के साथ-साथ विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं का मेले की सभी गतिविधियों को सफल बनाने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

सवाई माधोपुर शहर के बीच से ही पूरे रणथंभोर मार्ग पर सैकड़ों की संख्या में भंडारों और प्रसादी वितरण का आयोजन हुआ, जिनमें श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ भागीदारी की। गणेश गणेश चतुर्थी को मेले के दूसरे दिन बारिश होने के बावजूद न तो लोगों के उत्साह में कमी रही और न ही प्रशासनिक स्तर पर कोई ढिलाई नजर आई। लोगों ने बताया कि मेला मार्ग में कदम रखने तक की जगह नहीं होने के बावजूद फिर भी प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट की बेहतर व्यवस्थाओं के चलते मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं को सुचारू रूप से दर्शन होते रहे।

सवाई माधोपुर से रणथंभोर तक मेले के मार्ग पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, व्यापार मंडलों और भामाशाहों की ओर से जगह-जगह भंडारे सजाए गए। जिला प्रशासन ने निःशुल्क भंडारा लगाने वाले संचालकों के साथ कई बार बैठक कर निर्देशित किया कि वे स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और इस कार्य में नगर परिषद और स्थानीय ग्राम पंचायत समिति को पूर्ण सहयोग प्रदान करें। सफाई व्यवस्था के लिए नगर परिषद और ग्रामीण क्षेत्र में 200-200 से अधिक सफाई कार्मिक नियोजित किए गए थे।

तीन दिवसीय मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए। मेले को 10 जोनों में बाँटा गया, जहाँ 1500 से अधिक पुलिसकर्मी और अधिकारी तैनात रहे। श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए विभिन्न स्थानों से रोडवेज की 55 बसें लगाई गईं। रणथंभोर राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में मेले के पैदल मार्ग पर तथा जिले में विभिन्न स्थानों पर नदी-नालों पर गोताखोर तैनात रहे। मेला मार्ग पर लगातार सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। मेला मार्ग पर कई स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए।

न्यायालय ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 रद्द की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने पेपर लीक के मद्देनजर विवादास्पद 'पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021' रद्द कर दी है। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने बृहस्पतिवार को एक विस्तृत फैसला सुनाते हुए 2021 की यह भर्ती परीक्षा रद्द कर दी। अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मेजर आर.पी. सिंह ने कहा, भर्ती प्रक्रिया में धोखाधड़ी स्पष्ट रूप से दिख रही थी। आश्चर्य है कि राज्य सरकार ने इस विषय पर न तो कोई कार्रवाई की, न ही कोई निर्णय लिया। उम्मीद है कि अदालत का यह फैसला युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले गिरोहों के लिए एक सबक के रूप में काम करेगा।

भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने इस परीक्षा को रद्द नहीं करने का रुख अदालत के समक्ष अपनाया था, जबकि 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान यह उसके लिए बड़ा राजनीतकि मुद्दा था। इसके साथ ही एकल पीठ ने भर्ती परीक्षा घोटाले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्यों के आचरण, उनकी संलिप्तता और इसे आरपीएससी के कामकाज के खिलाफ जनहित याचिका के रूप में स्वीकार करने सहित सभी बिंदुओं को खंडपीठ को भेज दिया है।

आरपीएससी ने 2021 में पुलिस उपनिरीक्षक और प्लाटून कमांडर के 859 पदों के लिए विज्ञापन निकाला था। भर्ती परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने के आरोप सामने आए, जिसके बाद सरकार ने मामले की जांच राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) को सौंप दी। पेपर लीक में शामिल अन्य लोगों के अलावा 50 से ज्यादा प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य मंत्रिमंडल की एक उप-समिति ने उच्च न्यायालय में अपनी रिपोर्ट में एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को रद्द न करने की सिफारिश की थी।

वहीं कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, यह संघर्ष की जीत है, यह सच की जीत है। अदालत के फैसले से मैं खुश हूं। उन्होंने कहा, मेरी नजर में 50 प्रतिशत से ज्यादा फर्जी थानेदार चुने गए। ऐसे लोग अगर सेवा में आते तो कानून व्यवस्था की क्या स्थिति होती यह आप अंदाजा लगा सकते हैं।

राजस्थान के संसदीय कार्य और कानून मंत्री जोगाराम पटेल से जब अदालत के फैसले के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, इस विषय में पूरी जानकारी नहीं है। मैं विधानसभा में था। फैसले का अध्ययन करेंगे। जो भी न्यायालय का निर्णय है, वह शिरोधार्य है। जो भी उचित होगा कार्रवाई करेंगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने 'एक्स' पर लिखा, उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा को रद्द करने का उच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। कांग्रेस पार्टी हमेशा युवाओं के हित में कार्य करती रही है। देश में पेपर लीक के खिलाफ उम्रकैद तक की सजा एवं 10 करोड़ रुपये जुर्माना, दोषियों की संपत्ति कुर्क करने जैसे कठोर कानून सबसे पहले राजस्थान में पिछली कांग्रेस सरकार ने ही बनाया था।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल अजमेर का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सेना की दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल अजमेर का दौरा किया। रक्षा सूत्रों के अनुसार प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल ऋतु छेत्री ने उनका सैन्य परंपराओं के अनुरूप औपचारिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। आर्मी कमांडर ने संस्थान का भ्रमण कर शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं आवासीय सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्हें विद्यालय द्वारा कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई, जिनमें विशेष रूप से शिक्षा, सैन्य प्रशिक्षण, अनुशासन और चरित्र निर्माण पर बल दिया गया। जनरल अधिकारी ने विद्यालय की उच्च मानकों वाली परंपरा की सराहना की और कैडेट्स को भविष्य के सैन्य नेतृत्व के रूप में तैयार करने के लिए संकाय एवं स्टाफ के सामूहिक प्रयासों की प्रशंसा की। दौरे के दौरान जनरल ऑफिसर ने स्कूल की वार्षिक पत्रिका 'अभिव्यक्ति' का विमोचन भी किया, जिसमें कैडेटों की साहित्यिक और रचनात्मक प्रतिभा, उपलब्धियों और बहुमुखी प्रयासों का वर्णन किया गया है। आर्मी कमांडर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक एवं अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया। इस अवसर पर आर्मी कमांडर ने कैडेट्स के साथ एक प्रेरक संवाद सत्र किया।

इस दौरान उन्होंने कैडेट्स से उनके अनुभवों, आकांक्षाओं और चुनौतियों पर चर्चा की तथा उनके प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर दिया। उन्होंने उन्हें अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास और देशभक्ति को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

'गूगल मैप' के गलत रास्ता बताने पर नदी में बही वैन, तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मंगलवार देर रात वैन के नदी में बहने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक बच्चा लापता हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वैन के चालक ने कथित रूप से 'गूगल मैप' की मदद से यह रास्ता चुना था। वह वैन को उस पुलिया की ओर ले गया जिसे कुछ महीनों से बंद कर दिया गया था। वैन ने उसे पार करने की कोशिश की तो वह तेज बहाव में बह गई।

पुलिस के मुताबिक, वैन में एक ही परिवार के लोग थे। बनास नदी के तेज बहाव में वैन काफी दूर तक बह गई, जिससे चार लोग डूब गए जबकि पांच लोगों ने वैन की छत पर बैठकर जान बचाई। यह हादसा मंगलवार देर रात लगभग 1:30 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक वैन में सवार परिवार भीलवाड़ा जिले में एक धार्मिक स्थल के दर्शन कर घर लौट रहा था।

पुलिस ने बताया कि वैन चालक ने रास्ता खोजने के लिए 'गूगल मैप' का इस्तेमाल किया, जो उन्हें बनास नदी पर बने एक ऐसे पुल की ओर ले गया जो लंबे समय से बंद था। चित्तौड़गढ़ के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि बनास नदी में उफान के कारण नदी पार करने वाले सभी रास्ते बंद थे लेकिन यह परिवार ऐसे ही एक बंद पुल को लांघकर सोमी-उपरेड़ा पुलिया पर चला गया, जो कुछ महीनों से बंद थी।

उन्होंने बताया कि जैसे ही चालक ने नदी पार करने की कोशिश की कार पुल पर फंस गई और नदी के तेज बहाव में बहने लगी। अधिकारी ने बताया, वैन में सवार लोग खिड़की तोड़कर उसकी छत पर चढ़ गए और उनमें से एक ने अपने रिश्तेदार को फोन किया, जिसने घटना की सूचना पुलिस को दी।

उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी रश्मि देवेंद्र सिंह तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और एक नाव का इंतजाम किया। अधिकारी ने बताया कि अंधेरे में परिवार तक पहुंचना मुश्किल था लेकिन पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने बेहतरीन काम किया और किसी तरह कार तक पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परिवार के सदस्य अपने मोबाइल टॉर्च से बचाव दल को इशारा करते रहे।

हालांकि, जब तक पुलिसकर्मी फंसे परिवार तक पहुंचे दो महिलाएं और दो बच्चे बह चुके थे। उन्होंने बताया कि पांच लोगों को बचा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि दो महिलाओं और एक बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है जबकि एक बच्चे के शव की तलाश जारी है।

पाकिस्तान से तीन आतंकवादियों के बिहार में घुसने की सूचना के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई

पटना/भाषा। बिहार में नेपाल के रास्ते तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों के घुसने की सूचना मिलने के बाद पूरे राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बिहार पुलिस मुख्यालय ने सभी जिला पुलिस को अलर्ट जारी किया है और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े इन आतंकवादियों के नाम और तस्वीरें भी जारी की हैं। आशंका है कि ये सभी नेपाल के रास्ते अररिया होते बिहार पहुंचे हैं।

बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हां, पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया गया है। सभी जिला पुलिस और बिहार पुलिस की कई अन्य शाखाओं को क्षेत्र में गश्त और तलाशी अभियान तेज करके राष्ट्र-विरोधी तत्वों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी और सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। राज्य में सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। पाकिस्तान से तीन आतंकवादियों के नेपाल के रास्ते राज्य में घुसने की सूचना के बारे में पूछे जाने पर, डीजीपी ने कहा, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया गया है। उन्होंने अलर्ट के बारे में और जानकारी देने से इनकार कर दिया। हालांकि सूत्रों के अनुसार, खुफिया जानकारी से पता चला है कि तीनों आतंकवादी बिहार में घुस आए हैं। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी आतंकवादियों, हसनैन, आदिल और उस्मान की तस्वीरें भी जारी कर सभी जिला पुलिस को भेज दी गई हैं। हसनैन रावलपिंडी का रहने वाला है, आदिल उमरकोट का और उस्मान पाकिस्तान के बहावलपुर का निवासी है।

मणिपुर के कांगपोकपी में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कांगपोकपी जिले से हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बुधवार को माओहिंग और चांगौबंग गांव के बीच जंगल में चलाए गए एक अभियान के दौरान एक अमेरिकी एम16 राइफल और उसकी 10 राउंड मैगजीन, एक .303 राइफल, दो कोल्ट मशीन गन या सीएमजी, तीन पिस्तौल, एक .22 राइफल, छह बोल्ट एक्शन राइफल, दो शॉर्ट-बैरल राइफल, तीन इम्प्रोवाइज्ड प्रोजेक्टाइल लॉन्चर, दो हथगोले और चार रेडियो सेट बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि कोटजिम गांव के आसपास के क्षेत्र में एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने एक कार्बाइन, एक सिंगल-बैरल राइफल, तीन इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, दो हथगोले और तीन पुल-मैकेनिज्म राइफलें बरामद कीं।

कांग्रेस ने मणिपुर में नए सिरे से विधानसभा चुनाव कराने की मांग की

इंफाल/भाषा। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका ने मणिपुर में नए सिरे से चुनाव की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी राज्य में शांति और भाईचारे की वापसी चाहती है। वह इंफाल में 'वोट चोर, गद्दी चोर' की राज्य स्तरीय रैली को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस के मणिपुर मामलों के प्रभारी उलाका ने कहा, हम यहां यह रैली इसलिए कर रहे हैं ताकि आपको पता चले कि देश में क्या हो रहा है। कांग्रेस पार्टी, हमारे नेता राहुल गांधी यह सुनिश्चित करेंगे कि संविधान में निहित लोकतंत्र की रक्षा हो।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे कई बार मणिपुर का दौरा कर चुके हैं। कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यह बयान चाहती है कि वह मणिपुर कब आएंगे और मणिपुर पर वह चुप क्यों है?

उलाका ने कहा कि 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों के पास 55 विधायक होने के बावजूद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया है। उन्होंने कहा, हमारी मांग सरल है। हम मणिपुर में नए सिरे से चुनाव चाहते हैं, जहां लोग अपनी सरकार चुनेंगे और मुद्दों का समाधान करेंगे। फिलहाल कोई समाधान नहीं है, कोई शांति नहीं है। हम मणिपुर के साथ खड़े रहेंगे और राज्य में शांति और भाईचारा वापस लाना सुनिश्चित करेंगे।

मणिपुर में इस वर्ष फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। उन्होंने यह भी कहा, हम 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक हस्ताक्षर अभियान चलाएंगे। हम दस करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करेंगे, जिन्हें हम भारत के राष्ट्रपति या निर्वाचन आयोग को देंगे। इससे पहले, कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव क्रिस्टोफर तिलक ने दावा किया कि देश में संविधान का सबसे अधिक उल्लंघन मणिपुर में हुआ है।

संभल हिंसा की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने बृहस्पतिवार को अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी। गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंप दी है।

आयोग के सदस्य अरोड़ा, 1979 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अरविंद कुमार जैन और सेवानिवृत्त आईएएस अमित मोहन प्रसाद ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और 24 नवंबर, 2024 को संभल में अपनी रिपोर्ट सौंपी।

संजय प्रसाद ने रिपोर्ट के विवरण के बारे में पूछे जाने पर कहा, रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद हम इस बारे में कुछ बता सकेंगे। आयोग का गठन 28 नवंबर 2024 को किया गया था। उसके बाद उसने एक दिसंबर को पैनल ने पहली बार गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए हिंसा प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया था। न्यायिक आयोग में शामिल उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक ए के जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हां, हमने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। यह एक विस्तृत रिपोर्ट है। जैन ने रिपोर्ट को 'गोपनीय' करार देते हुए उसमें शामिल की गई बातों का खुलासा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कुछ रिपोर्टों की प्रामाणिकता के बारे में पूछे गए सवालों का भी जवाब नहीं दिया, जिनमें दावा किया गया था कि रिपोर्ट में जनसांख्यिकीय बदलाव का जिक्र किया गया है जिसके मुताबिक संभल में हिंदुओं की आबादी घट रही है। कुछ कथित रिपोर्टों के अनुसार न्यायिक पैनल ने अपनी लगभग 450 पृष्ठों की रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया है कि संभल में कैसे हिंदू आबादी अब घटकर लगभग 15 से 20 प्रतिशत ही रह गई है। यह पहले की तुलना में आधी से भी कम है। हालांकि, जैन ने यह कहते हुए खुलकर बात नहीं की कि पैनल को रिपोर्ट की विषय-वस्तु का खुलासा करने का अधिकार नहीं है। जैन ने आगे कहा, यह रिपोर्ट कैबिनेट और बाद में उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी प्रक्रिया के तहत पेश की जाएगी।

प्रधान ने अभद्र भाषा के इस्तेमाल को लेकर राहुल, तेजस्वी पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बिहार में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली ''वोटर अधिकार यात्रा'' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत माताजी के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने को लेकर कांग्रेस नेता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर बृहस्पतिवार को निशाना साधा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि बिहार में ''वोटर अधिकार यात्रा'' के दौरान ''अपमान, घृणा और स्तरहीनता'' की सारी हदें पार की जा चुकी हैं।

भाजपा ने 'एक्स' पर अपने हैंडल से इस घटना का वीडियो पोस्ट नहीं किया लेकिन कुछ हैंडल द्वारा ऑनलाइन साझा की गई सामग्री में कुछ अज्ञात लोगों को यात्रा के दौरान मंच से मोदी के लिए हिंदी में अपशब्द का इस्तेमाल करते हुए दिखाया गया है। 'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकती। प्रधान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी की दिवंगत माताजी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल बहुत ही शर्मनाक एवं निंदनीय है। यह भाषा राहुल गांधी और तेजस्वी यादव समेत पूरे 'इंडी' गठबंधन द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत की पराकाष्ठा को दर्शाती है। राजद-कांग्रेस के चुनावी मंच से आई यह घृणित टिप्पणी बिहार और देशभर के हर उस भारतीय का अपमान है जो अपनी मां को भगवान के समान मानता है। उन्होंने कहा, बिहार का अपमान करने वालों को बढ़ावा देने के बाद, व्यक्तिगत द्वेष और घृणा से प्रधानमंत्री की दिवंगत माताजी के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना इन नेताओं और दलों की खोखली मानसिकता और घोर निराशा का प्रमाण है।

अरुणाचल प्रदेश में राज्य से बाहर सामान ले जाने वाली पहली कार्गो विमान सेवा शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के नागर विमानन मंत्री बालो राजा ने बृहस्पतिवार को डोनी पोलो हवाई अड्डे से राज्य से बाहर सामान ले जाने वाली पहली कार्गो विमान सेवा को हरी झंडी दिखाई। इस कदम का उद्देश्य राज्य की कृषि-बागवानी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और स्थानीय किसानों को व्यापक बाजारों से जोड़ना है। राजा ने कहा कि 'किसानों को सशक्त बनाना, बाजारों को जोड़ना' विषय पर आधारित इस पहल से किसानों के लिए नए अवसर पैदा होंगे, क्योंकि इससे यह सुनिश्चित होगा कि उनकी उपज राष्ट्रीय बाजारों तक तेजी से पहुंचे।

राजा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज मुझे हमारे राज्य के डोनी पोलो हवाई अड्डे से पहली 'आउटबाउंड कार्गो' विमान सेवा को हरी झंडी दिखाने का सौभाग्य मिला। यह पहल हमारे मेहनती किसानों के लिए नए अवसर खोलेगी। राज्य नागर विमानन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्गो सेवा का मुख्य उद्देश्य फल, सब्जियां, फूल और अन्य स्थानीय उपज जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की आपूर्ति करना है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से न केवल सामान की बर्बादी कम होगी, बल्कि दूरदराज के जिलों के किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की भी उम्मीद है।

प्रयागराज में खतरे के निशान के करीब पहुंचा गंगा-यमुना का जलस्तर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को बढ़कर खतरे के निशान 84.73 मीटर के करीब पहुंच गया, जिससे नदियों के किनारे बसे लोगों में चिंता फिर से बढ़ गई है। अगस्त माह में दूसरी बार बाढ़ का पानी रिहायशी क्षेत्रों में पहुंच रहा है।

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पावन संगम क्षेत्र में बने बांध के किनारे जहां वाहन रफ्तार भरते थे, वहां फिर से नावें चलने लगी हैं और लोग बांध के किनारे ही डुबकी लगा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी बुलेटिन के मुताबिक, बृहस्पतिवार को शाम चार बजे तक फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 84.44 मीटर, जबकि छतनाग में यह 83.56 मीटर पर पहुंच गया। वहीं यमुना का जलस्तर नैनी में 84.15 मीटर रहा। एसडीएम (सदर) अभिषेक सिंह ने बताया कि सदर में 12 वार्ड/ मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं जिनमें कछार मऊ, मऊ सरैया, राजापुर, बघाड़ा, नेवादा, बेली कछार, बेली उपरहार, मेहदौरी, सलोरी, शिवकुटी, म्योराबाद और दारागंज शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सदर क्षेत्र में पांच बाढ़ राहत शिविर क्रियाशील हैं जिनमें सदर बाजार स्थित कैंट मैरेज हॉल, एनी बेसेंट स्कूल, ऋषिकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महबूब अली इंटर कॉलेज और रीगल गेस्ट हाउस शामिल हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 56 नावें संचालित की जा रही हैं, जबकि तीन मोटर बोट सेवा में लगाई गई हैं। एनी बेसेंट स्कूल में बने बाढ़ राहत शिविर में अपनी दो बेटियों- आठ वर्षीय प्रियांशी और 10 वर्षीय शिवांशी के साथ ठहरी रिशु देवी ने कहा, हमें उम्मीद नहीं थी कि बाढ़ दोबारा आएगी। हमने निश्चिंत होकर अपने सामान घर में व्यवस्थित किए थे, लेकिन अब फिर से उन्हें छतों पर रखकर यहां रहना पड़ रहा है। वहीं इसी शिविर में मौजूद रूपा देवी ने कहा, कछार में मकान का किराया काफी कम होने के कारण हम वहां रहते हैं।

मिजोरम में भीख मांगने पर लगेगा प्रतिबंध, विधानसभा में विधेयक पारित

आइजोल/भाषा। मिजोरम विधानसभा में विपक्षी सदस्यों की आपत्तियों के बीच, राज्य में भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी विधेयक पारित हुआ।

राज्य की समाज कल्याण मंत्री लालरिनपुई ने बुधवार को 'मिजोरम भिक्षावृत्ति निषेध' विधेयक, 2025 सदन में पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल भीख मांगने पर रोक लगाना नहीं है बल्कि भिखारियों को स्थायी आजीविका विकल्प प्रदान करके उनकी सहायता और पुनर्वास करना भी है। उन्होंने मिजोरम में बढ़ती भिक्षावृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा राज्य बहुत भाग्यशाली है, यहां की सामाजिक संरचना, चर्चों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी के साथ राज्य में लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के कारण राज्य में भिखारियों की संख्या बहुत कम है। उन्होंने कहा कि सैरांग-सिहमुई रेलवे स्टेशन की शुरुआत के बाद से मिजोरम में दूसरे राज्यों से भिखारियों के आने की आशंका बढ़ जाएगी। इस रेलवे लाइन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 सितंबर को करेंगे। लालरिनपुई ने कहा, सरकार का मानना है कि उचित नियामक ढांचे के माध्यम से वह राज्य को भिखारियों से मुक्त रख सकती है।

जीएसटी चोरी प्रकरण में कंपनी निदेशक और चीनी महिला न्यायिक हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से नौ करोड़ रुपए से अधिक की, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी के एक कथित मामले में गिरफ्तार एक कंपनी के प्रबंध निदेशक और उसकी चीनी सहयोगी को एक स्थानीय अदालत ने एक सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

विशेष लोक अभियोजक लक्ष्य कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि केंद्रीय जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने मेसर्स 'टेन टेक एलईडी डिस्प्ले प्राइवेट लिमिटेड' की जांच के दौरान कर चोरी का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि कंपनी के निदेशक विनय कुमार और चीनी नागरिक एलिस ली उर्फ ली टेंगली ने कथित तौर पर गलत कर श्रेणियों के तहत रिटर्न दाखिल किया जिससे लगभग 9.19 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की गई और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि दोनों को बुधवार को मेरठ में विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) दुर्गेश नंदिनी की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सिंह ने बताया कि अदालत में पेशी के दौरान चीनी महिला ने अपना चेहरा ढका हुआ था। मीडिया के कैमरों से बचने की कोशिश कर रही महिला ने हंगामा किया और पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की भी की।

जब तक मैं जीवित हूं, लोगों का मताधिकार किसी को भी छीनने नहीं दूंगी : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं देंगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों पर ''भाषाई आतंक'' फैला रही है।

कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूचियों से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से 500 से अधिक टीम पश्चिम बंगाल में तैनात की हैं। उन्होंने रैली में कहा, आपको खुद जांच करनी चाहिए कि आपका नाम अब भी मतदाता सूची में है या उसे मतदाता सूची से हटा दिया गया है... आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आपके पास आधार कार्ड हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, जब तक मैं जीवित हूं, मैं किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं दूंगी। बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया, निर्वाचन आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका (आयोग का) अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभायी गई भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है।

सिलेंडर विस्फोट के कारण जलने से हुई निक्की की मौत, निजी अस्पताल के कर्मचारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के पुलिस अधिकारियों ने निजी अस्पतालों के चिकित्सकों एवं नर्सों के हवाले से बृहस्पतिवार को कहा कि कथित दहेज पीड़िता निक्की भाटी की मौत सिलेंडर विस्फोट के कारण जलने की वजह से हुई है। घटना के बाद निक्की को पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जिस अस्पताल में 21 अगस्त को निक्की भाटी को ले जाया गया था, वहां से प्राप्त एक ज्ञापन के अनुसार, वह ''घर में गैस सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण गंभीर रूप से जल गई थीं'' और उसे उसके पति विपिन भाटी का फुफेरा भाई गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचा था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, निक्की को भर्ती कराने के समय वहां मौजूद चिकित्सकों और नर्सों का बयान दर्ज कर लिया गया है। निक्की ने उन्हें बताया कि गैस सिलेंडर में विस्फोट के कारण वह जल गई थी।

पुलिस ने कहा कि वे मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और आगे की कार्रवाई करने से पहले बयान एकत्र कर रहे हैं। निक्की के कमरे से बरामद ज्वलनशील तरल पदार्थ को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के अधिकार छीनना चाहती है भाजपा : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतामढ़ी (बिहार)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बिहार की मतदाता सूचियों से गरीब और वंचित वर्ग के करीब 65 लाख लोगों के नाम हटा दिए गए हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के अधिकार छीनना चाहती है।

अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत सीतामढ़ी में एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ने की कोशिश की जाएगी, लेकिन यहां की जनता और विपक्ष 'वोट चोरी' नहीं होने देंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के 12वें दिन की शुरुआत से पहले सीतामढ़ी के प्रसिद्ध जानकी देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राहुल गांधी ने सभा में कहा, अगर वोट चला जाएगा तो हिंदुस्तान के गरीब लोगों के पास कुछ नहीं रहेगा। यह शुरुआत वोट से हो रही है, वोट के बाद राशन कार्ड जाएगा, राशन कार्ड के बाद जमीन जाएगी, जमीन के बाद सारे के सारे अधिकार जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि हिंदुस्तान का पूरा धन अदाणी-अंबानी को पकड़ाया जा रहा है।

राहुल गांधी ने फिर से यह दावा किया कि महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव में 'वोट चोरी' की गई। उन्होंने कहा, बिहार में 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। यह मत सोचिए कि सिर्फ नाम काट रहे हैं, यह जोड़ेंगे भी। फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ेंगे। उसी तरह से नाम जोड़ा जाएगा जैसे लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में एक करोड़ फर्जी मतदाता जोड़ दिए गए।

कांग्रेस नेता के अनुसार, महाराष्ट्र में जो भी नए मतदाता जोड़े गए, उनके सारे वोट भाजपा को मिले। उन्होंने एक बार फिर उल्लेख किया कि ''बेंगलूरु की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर एक लाख से अधिक फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़े गए थे।

मुंबई, कोहिमा, भुवनेश्वर महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित; पटना, जयपुर, दिल्ली सबसे असुरक्षित : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई भारत में महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर बनकर उभरे हैं, जबकि पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची इस मामले में सबसे निचले पायदान पर हैं। बृहस्पतिवार को जारी राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट एवं सूचकांक (एनएआरआई) 2025 तो कुछ यही बयां करता है।

यह राष्ट्रव्यापी सूचकांक 31 शहरों की 12,770 महिलाओं पर की गई रायशुमारी पर आधारित है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा स्कोर 65 फीसदी रखा गया है और शहरों को उक्त मानक से 'काफी ऊपर, ऊपर, समान, नीचे' या 'काफी नीचे' श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

सूचकांक में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले कोहिमा और विशाखापत्तनम जैसे शहरों के अच्छे प्रदर्शन के पीछे मजबूत लैंगिक समानता, नागरिक भागीदारी, पुलिस व्यवस्था और महिला-अनुकूल बुनियादी ढांचे का हाथ बताया गया है। वहीं, इसमें सबसे निचले पायदान पर काबिज पटना और जयपुर जैसे शहरों के खराब प्रदर्शन के लिए कमजोर संस्थागत प्रतिक्रिया, पितृसत्तात्मक मानदंडों और शहरी बुनियादी ढांचे में कमी जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है। 'एनएआरआई-2025' में कहा गया है, कोहिमा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई राष्ट्रीय सुरक्षा रैंकिंग में सबसे आगे हैं, जिसके लिए मुख्यत: उच्च लैंगिक समानता, बेहतर बुनियादी ढांचा, पुलिस व्यवस्था और नागरिक भागीदारी जिम्मेदार है। वहीं, रांची, श्रीनगर, कोलकाता, दिल्ली, फरीदाबाद, पटना और जयपुर सबसे निचले स्थान पर हैं, जिसके पीछे खराब बुनियादी ढांचा, पितृसत्तात्मक मानदंड और कमजोर संस्थागत जवाबदेही जैसे कारकों का हाथ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर सर्वेक्षण में शामिल दस में से छह महिलाओं ने अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने की बात कही, लेकिन 40 प्रतिशत ने अभी भी खुद को उतना सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। सर्वेक्षण से पता चला है कि रात में सुरक्षित महसूस करने की धारणा में भारी गिरावट आई है, खासकर सार्वजनिक परिवहन और मनोरंजन स्थलों में।

सुविचार

धैर्य वह शक्ति है जो आपको तब बढ़ावा देती है जब आप थक जाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या चीन को ऐसे पछाड़ेंगे?

देश पर आबादी के बढ़ते दबाव को ध्यान में रखते हुए ज्यादातर परिवार 'हम दो, हमारे दो' का महत्त्व समझ चुके हैं और इसका पालन भी कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों को न तो देशहित की परवाह है और न उन संतानों के भविष्य की ही, जिन्हें वे संसाधनों के अभाव के बावजूद जन्म देते जा रहे हैं। राजस्थान में उदयपुर के झाड़ोल में एक महिला द्वारा अपने 17वें बच्चे को जन्म देने का मामला हैरान करता है! इस परिवार का मुखिया खुद को बेहद गरीब बताता है। उसके पास रहने के लिए मकान नहीं है, लेकिन बच्चों की तादाद डेढ़ दर्जन तक पहुंच चुकी है। यह कोई एक मामला नहीं है। अगर ध्यान से सर्वे किया जाए तो देश के हर राज्य में ऐसे कई दंपति मिल जाएंगे, जो परिवार नियोजन की धज्जियां उड़ा रहे हैं। देश के पास जितने संसाधन हैं, उनमें प्रति दंपति दो बच्चे काफी हैं। इसके बावजूद लोग समझते क्यों नहीं हैं? क्या हम इस तरह विकसित राष्ट्र बनाएंगे? क्या अवैज्ञानिक एवं अविवेकपूर्ण प्रजनन से देश को प्रगति के पथ पर लेकर जाएंगे? क्या हम चीन को ऐसे पछाड़ेंगे? चीन को पछाड़ना है तो शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, टेक्नोलॉजी और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में पछाड़ें। सिर्फ आबादी के मामले में चीन से आगे निकल जाना कोई अक्लमंदी की बात नहीं होगी।

क्या ऐसे माहौल में जो परिवार बेतहाशा आबादी बढ़ा रहे हैं, वे देश पर समस्याओं का और बोझ नहीं लाद रहे हैं? सरकार जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन बांट रही है। जरूर बांटे, लेकिन इससे भुखमरी व कुपोषण जैसी समस्याओं का पुख्ता समाधान नहीं होगा।

देश में रोजगार को लेकर पहले ही हालात चिंताजनक हैं। युवाओं की जवानी बेरोजगारी का दंश झेलते हुए बीत रही है। प्रॉपर्टी की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि मध्यम वर्गीय परिवार को कर्ज लेना पड़ रहा है। ट्रेनों, बसों, सरकारी अस्पतालों, सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ ही भीड़ है। कोई इन्सान सुकून से बैठना चाहे तो कहां जाए?

क्या ऐसे माहौल में जो परिवार बेतहाशा आबादी बढ़ा रहे हैं, वे देश पर समस्याओं का और बोझ नहीं लाद रहे हैं? सरकार जरूरतमंद लोगों को मुफ्त राशन बांट रही है। जरूर बांटे, लेकिन इससे भुखमरी व कुपोषण जैसी समस्याओं का पुख्ता समाधान नहीं होगा। सरकार अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ा रही है। जरूर बढ़ाए, लेकिन वे अपर्याप्त ही रहेंगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें अपनी शक्ति व सामर्थ्य के अनुसार रोजगार देने की कितनी ही कोशिशें कर लें, बेरोजगारी बनी रहेगी। भारत में अपराध, बेरोजगारी, महंगाई, पर्यावरण प्रदूषण जैसी कितनी ही समस्याओं की एक बड़ी वजह 'जनसंख्या विस्फोट' है। जब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर ठोस कदम नहीं उठाए जाएंगे, सरकारें कितनी ही योजनाएं ले आएं, कितना ही बजट बढ़ा दें, हालात 'ढाक के तीन पात' वाले ही बने रहेंगे। यह कड़वी हकीकत है। नेतागण इसे खुलकर स्वीकार नहीं कर पाते। हम सबको स्वीकार करना होगा कि बेतहाशा आबादी बढ़ाने से देश की उन्नति नहीं हो सकती। इससे गंभीर समस्याएं ही पैदा होंगी। जो लोग आयकर देते हैं, वे चाहते हैं कि उनका योगदान भारत को विकसित राष्ट्र बनाए। जब उन्हें इसके बदले न तो शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिलती हैं, न साफ पर्यावरण मिलता है तो मन में आक्रोश पैदा होता है। जब वे ऐसे वर्ग को देखते हैं, जो आयकर नहीं देता, लेकिन अविवेकपूर्ण ढंग से आबादी बढ़ाता रहता है तो देश के भविष्य को लेकर चिंता होती है। दुर्भाग्य की बात है कि कुछ राजनीतिक दल ऐसे दंपतियों को जागरूक करने के बजाय उनमें अपना वोटबैंक ढूंढ़ते हैं। अगर आबादी इसी तरह बढ़ती रही तो सबको गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मिलना एक सपना ही रह जाएगा। अब केंद्र सरकार को कोई निर्णायक कदम उठाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। प्रदेश में बारिश से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को तत्काल दुरुस्त करने के दिशा-निर्देश प्रदान किए।

-भजनलाल शर्मा

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बनीपार्क तथा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बनीपार्क, जयपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ अध्यापक अनुपस्थित पाए गए तथा उपस्थित अध्यापकों में से भी कुछ प्रार्थना सभा एवं राष्ट्रगान में उपस्थित नहीं थे।

-मदन दिलावर

आज रोहिणी में सनातन संस्कारम रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित प्रथम भव्य श्रीरामलीला महोत्सव के भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपार संतोष और ऊर्जा का अनुभव हुआ। प्रभु श्रीराम सनातन जीवन संस्कृति का सार हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मन विजय से मुक्ति

आचार्य पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्य अग्निवेश सहित छह शिष्यों को आत्मा और मन का रहस्य समझा रहे थे। अग्निवेश ने पूछा कि जब मनुष्य मर जाता है तो उसकी चेतना कहां चली जाती है और जीवित रहते हुए मन, इन्द्रियों और आत्मा का आपसी संबंध क्या है। ऋषि आत्रेय ने समझाया कि मन अपने आप में अचेतन है, यह केवल साधन है। आत्मा ही इसे चेतना प्रदान करती है और कार्य कराने में सक्षम बनाती है। जीवित अवस्था में जब आत्मा शरीर में स्थित होती है तब प्राण का संचार, मन की गति, इन्द्रियों का अनुभव, इच्छा-द्वेष, सुख-दुःख, स्मृति और बुद्धि जैसे लक्षण प्रकट होते हैं। अग्निवेश ने आगे प्रश्न किया कि मृत्यु के बाद क्या होता है। आत्रेय ने शांत स्वर में कहा कि मृत्यु के बाद आत्मा शरीर को छोड़ देती है और शरीर मात्र पंचभूतों का ढेर रह जाता है। फिर अग्निवेश ने पूछा कि यदि ईश्वर है तो आत्मा कभी पापयुक्त योनि में क्यों जन्म लेती है, क्या उसे कोई वहां धकेलता है। इस पर आत्रेय बोले कि आत्मा को कोई बाहर से प्रेरित नहीं करता, उसके अपने ही कर्म उसे खींचकर अनिष्ट योनियों तक ले जाते हैं। धर्म उसे ऊर्ध्वगति देता है और अधर्म नीच योनियों में गिराता है। यही आत्मा की स्वतंत्रता है।

सामयिक

ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल: 9416740584.

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार

प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरुबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

विचार

संसद का अनमोल समय शोर शराबे की भेंट चढ़ा

रोहित माहेश्वरी

लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गईं। यानी संसद का मॉनसून सत्र समाप्त हो गया। यह सत्र काफी हंगामेदार रहा। संसद के दोनों सदनों में यह सत्र बिहार में चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर जोरदार हंगामा होता रहा। संसद सत्र के दौरान करीब 190 करोड़ रुपए का खर्चा हुआ। लेकिन संसद की सार्थक कार्यवाही नहीं चल सकी। एक दिन की संसदीय कार्यवाही पर औसतन 9 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। यह राशि सांसदों की नहीं, बल्कि देश की करदाता जनता की है। हंगामे, शोर-शराबे और कार्यवाही के बार-बार स्थगन के लिए जनता पैसे क्यों दे? सदन चले अथवा स्थगित हो जाए, लेकिन सांसद को 2500 रुपए का रोजाना भत्ता जरूर मिल जाता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र में कार्यवाही में गतिरोध बनाए रखने पर विपक्षी दलों के प्रति निराशा जताई। उन्होंने कहा कि नियोजित तरीके से सदन के कामकाज में व्यवधान पैदा किया गया जो लोकतंत्र और सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। विपक्ष ने सत्र के दौरान एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा जारी रखा, जबकि उन्हें भी जानकारी थी कि संसद के भीतर चुनाव आयोग पर बहस नहीं की जा सकती। मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण चुनाव आयोग का संवैधानिक विशेषाधिकार है, लेकिन विपक्ष ने सदन के भीतर और बाहर लगातार हंगामा किया और उसे अपना संवैधानिक अधिकार बताया। उस संदर्भ में वह बार-बार दिवंगत नेता अरुण जेटली को उद्धृत करता रहा। यदि संवैधानिक अधिकार के कारण ही संसद की कार्यवाही बाधित होती रहे और अंततः उसे स्थगित करना पड़े, तो उसके नुकसान की भरपाई कौन करेगा? यह कहना अर्ध सत्य है कि सदन की कार्यवाही चलाना सत्ता पक्ष का दायित्व है। यह कथन तब सही है, जब कार्यवाही में विपक्ष भी लगातार भागीदार बने। तभी बहस और चर्चाएं संभव हैं, तभी विधेयकों पर सामूहिक चर्चा कर उन्हें पारित करना संभव है।

कहने को लोकसभा में 12 बिल और राज्यसभा में 14 बिल पारित किए गए। उन्हें 'हां' अथवा 'ना' के ध्वनिमत से पारित कर लिया गया। उसके लिए संसद की क्या जरूरत है? ऑनलाइन गेमिंग सरीखे बिल, जो करीब 45 करोड़ लोगों को प्रभावित कर रहा है और करीब 20,000 करोड़ रुपए दांव पर हैं, बिना चर्चा के ही पारित कर लिए गए। इंडियन पोटस बिल 2025 और नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल महत्वपूर्ण बिल थे, लेकिन वे भी बिना चर्चा के पारित कर लिए गए। यदि संसद में ऐसा ही चलना है, तो सत्र बुलाने की क्या आवश्यकता है? राज्यसभा में केवल बिल्स ऑफ लेडिंग बिल' ही पहले दिन बिना व्यवधान पारित हुआ। बाकी विधेयक शोर-शराबे या विपक्षी दलों के वॉकआउट के बीच पास किए गए। सरकार का मानना है कि विपक्ष ने खुद को गंभीर चर्चाओं से अलग कर लिया और देश हित से जुड़े अहम फैसलों का हिस्सा बनने का मौका गंवा दिया। संसद कानून और नीति निर्माण करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है, जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है। देश की दिशा एवं दशा तय करने में इसकी अहम भूमिका होती है। यह सरकार के कामकाज की निगरानी करने और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर समाधान तलाशने का विशिष्ट मंच है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है, जहां जनता की संप्रभुता को अभिव्यक्ति मिलती है। जन प्रतिनिधियों से उम्मीद की जाती है कि वे आम लोगों से जुड़े मसलों को संसद में उठाकर नीति निर्माण में उनकी भूमिका सुनिश्चित करेंगे। मगर, संसद के मॉनसून सत्र के कामकाज पर गौर करें तो इन उम्मीदों पर सियासत के बादल मंडराते नजर आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जनप्रतिनिधियों के लिए दलगत राजनीति जन सरोकार से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। संसद के अंदर और बाहर सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप के शोरगुल में असल मुद्दे गौण हो जाते हैं। इससे न केवल संसद का बहुमूल्य समय यों ही जाया हो जाता है, बल्कि सार्वजनिक धन की भी बर्बादी होती है।

लोकसभा में इस सत्र के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे किंतु लगातार नियोजित व्यवधान के कारण 55 प्रश्नों का ही मौखिक उत्तर दिया गया। सदन की शुरूआत से पूर्व यह तय किया गया था कि 120 घंटे चर्चा होगी। कार्य मंत्रणा समिति यानी बीएसी में भी इस पर सहमति बनी थी, लेकिन (विपक्ष के) लगातार गतिरोध और नियोजित व्यवधान के कारण हम केवल 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिरला ने विपक्ष के प्रदर्शन के तरीके पर निराशा प्रकट करते हुए कहा,''जनप्रतिनिधि के रूप में हमारे आचरण, हमारी कार्यप्रणाली को पूरा देश देखता है। जनता हमें बहुत उम्मीदों के साथ चुनकर यहां भेजती है ताकि उनकी समस्याओं और व्यापक जनहित के मुद्दों, विधेयकों पर हम व्यापक चर्चा कर सकें।'' लोकसभा की उत्पादकता 31 फीसदी और राज्यसभा की 35 फीसदी रही। लोकसभा में विधायी कार्य 2.9 घंटे और राज्यसभा में 13.1 घंटे ही हो सका। संसद सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चला और 21 बैठकें हुईं।

लोकसभा में 126 घंटे काम होना तय था, लेकिन 37 घंटे ही हो सका। लोकसभा में प्रश्नकाल मात्र 4.7 घंटे और राज्यसभा में 1.2 घंटे ही चला। संसद का क्या औचित्य है कि सांसद मंत्री से सवाल ही न कर सके? यह सत्र उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति के लिए भी याद किया जाएगा कि अचानक उन्हें इस्तीफा देने को बाध्य किया गया। पूर्व उपराष्ट्रपति न जाने कहां छिपे हैं कि उन्होंने एक भी बयान नहीं दिया है? उन्हें विदाई पार्टी भी नहीं दी गई! 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस तो हुई और अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने 102 मिनट का सबसे लंबा भाषण दिया, लेकिन कई पहलू छूट गए। युद्धविराम किसने कराया, प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में जवाब नहीं दिया। कई बिल बिना चर्चा के पास होना कुछ सवाल खड़े करता है। यदि सांसद ही अपनी जिक्रमेदारी नहीं निभाएंगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे।

नजरिया

एक एक कदम आगे बढ़ती हिन्दी

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

हिन्दी भाषा के सामने चुनौतियों के दरवाजे कभी बन्द नहीं थे। मगर चुनौतियों से जूझती हिन्दी निरन्तर आगे बढ़ रही है। आजादी की लड़ाई के दिनों में हिन्दी' ही वह भाषा थी, जो पूरे देश के अन्दर विभिन्न भाषा भाषी स्वतंत्रता सेनानियों के बीच सम्पर्क का सेतु बनी थी। उसी समय हिन्दी को राष्ट्रभाषा' बनाने का मानस बन गया था। किन्तु इसकी राह आसान न थी, हिन्दी के मुकाबले में उर्दू एक तरह से बढ़त की स्थिति में थी। इसलिए हिन्दी सेवियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। संविधान सभा में बहस-मुबाहिसे के बीच यह स्वीकार किया गया कि राष्ट्रीय एकता और विकाश का आधार हिन्दी ही हो सकती है। इसलिए तमिल भाषी गोपालस्वामी आयंगर ने संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनने का प्रस्ताव रखा। संविधान सभा में 14 सितम्बर,1949 को हिन्दी को भारतीय गणराज्य की कामकाज की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। गोपालस्वामी के प्रस्ताव का अनुमोदन और समर्थन करने वाले सारे सदस्य अहिंदी भाषी थे।

इतिहास में हम पाते हैं कि हिन्दी को समाप्त करके भावी पीढ़ी को भारतीयता और अपनी जड़ों से काटने का उपक्रम पुराने समय से चला आ रहा है। सन 1192 के बाद इतिहास के राजपूत काल का अंत होता है। सन 1206 में गुलाम वंश के शासन काल में हिन्दी पर फारसी लाद दी थी। हिन्दी राजकाज की भाषा नहीं रही और पिछड़ती गई। बाद में फारसी का स्थान उर्दू ने ले लिया। लार्ड मैकाले के चार्टर ऐक्ट-1835 की भाषा नीति तो इतनी

कपटपूर्ण थी कि संस्कृत और फारसी के विद्वान भी बौद्धिक विमर्श की परिधि से निष्कासित हो गए थे। किन्तु हिन्दी अपनी बोलियों अवधी, ब्रज, मैथिली, राजस्थानी, मालवी, भोजपुरी, मागधी, छत्तीसगढ़ी, बुन्देलखंडी, बघेली आदि विविध रूपों में जन सामान्य की भाषा बनी रही।

ईस्ट इंडिया कंपनी के अंग्रेज अधिकारी जब शासक की भूमिका में आ गए तो उनको सामान्य जन से जुड़ने में भाषा की दिक्कत महसूस हुई। तब सन 1800 ईस्वी में कलकत्ता में 'फोर्ट विलियम कालेज' की स्थापना की गई। वहाँ लल्लूलाल और सदल मिश्र अंग्रेज अधिकारियों को हिन्दी सीखाने के लिए नियुक्त हुए। इनसे कम्पनी के अधिकारी हिन्दी सीखे और जनता से संवाद कायम करने में सफल हुए। इससे अधिक हिन्दी से अंग्रेजों को कोई मतलब भी नहीं था। हाँ, हिन्दी के सम्पर्क में आने के बाद उनको देश के भाषायी अंतर्द्वन्द्व का पता चल गया था। इसके तहत हिन्दी और उर्दू का झगड़ा खड़ा करने में अंग्रेज सदैव आगे रहे। आधिकारिक तौर पर तो हिन्दी आज भी राष्ट्रभाषा नहीं है। लेकिन राजभाषा का दर्जा उसके पास है। शुरू में कहा गया था कि हिन्दी अभी विकासमान अवस्था में है। इसके पास प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, विधि, वाणिज्य, पुरातत्व जैसे विषयों की तकनीकी शब्दावली का अभाव है। साथ ही अहिंदी भाषी कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच यह अनजान है। इसलिए हिन्दी के तत्काल व्यवहार में लाने की बात टाल दी गई।

वर्ष 1975 में राजभाषा नियम बनाए गए, जिसमें हिन्दी को लागू करने के लिए देश को 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में बाँट दिया गया। 'क' यानी हिन्दी प्रदेश, 'ख' यानी अर्द्ध हिन्दी प्रदेश और 'ग' यानी अहिंदी भाषी प्रदेश। इसके तहत 'ग' श्रेणी के प्रदेश फिलहाल हिन्दी प्रयोग में सक्षम नहीं हैं, इसलिए एक समय सीमा के अंतर्गत हिन्दी प्रयोग के लिए अपने को तैयार करेंगे। इसके बाद राजकीय कामकाज में हिन्दी के व्यवहार का मामला कई बार टलता चला आ रहा है। आज की तारीख में हिन्दी सारे देश में बोली भले नहीं जाती है, लेकिन समझी सब जगह जाती है। विभिन्न विषयों की तकनीकी शब्दावली का हिन्दी में पर्याप्त विकास हो चुका है। पड़ोसी देश नेपाल में हिन्दी बोलने वालों की संख्या नेपाली भाषियों से अधिक है। पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका में हिन्दी समझने वाले बहुत लोग हैं।

फ़िजी, गुआना, मारिसस और दक्षिण अफ्रीका में गिरमिटिया मजदूरों के वंशजों ने हिन्दी की अवधी और भोजपुरी बोली को कमोबेश बचा रखा है। हिन्दी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे नम्बर पर है-यह दावा राजभाषा विभाग की पत्रिका राजभाषा भारती' में गृह राज्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में किया है। पिछले दशकों में हिन्दी का बहुत तेजी से विकास हुआ है। संगीत, विज्ञापन, सिनेमा, बाजार के क्षेत्र में हिन्दी तेजी से बढ़ी है। विश्व के डेढ़ सौ विश्वविद्यालयों तथा सैकड़ों अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शोध स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था है। कई देश हिन्दी में नियमित कार्यक्रम का प्रसारण करते हैं। विदेशी धरती से हिन्दी की पत्रिकाएं भी बराबर प्रकाशित हो रही हैं। गत वर्ष हिन्दी संयुक्त राष्ट्र संघ की कामकाज की भाषा के रूप में तो स्वीकार की ही गई, संयुक्त अरब अमीरात ने हिन्दी को अपने यहाँ की तीसरी अदालती भाषा की मान्यता भी दी है। स्वस्फूर्त ढंग से हिन्दी का आगे बढ़ना इसके लिए आश्वस्त करता है कि आने वाले वर्षों में हिन्दी विश्व भाषा बनकर रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रेलवे की नई परियोजनाएं बढ़ाएंगी आर्थिक विकास की रफ्तार

केंद्रीय मंत्रिमंडल से मिली मंजूरी / माल ढुलाई और यात्री सुविधाओं में होगी क्रांति

गोरखपुर/दक्षिण भारत। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रेल मंत्रालय की चार महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन पर कुल अनुमानित खर्च 12,328 करोड़ रुपए होगा। इन परियोजनाओं का मकसद रेल नेटवर्क को सुदृढ़ करना और यातायात सुगमता में वृद्धि करना है। ये परियोजनाएं देशलपार-हाजीपीर-लूना और वायोर-लखपत नई लाइन; सिकंदराबाद (सनथनगर)- वाडी तीसरी और चौथी लाइन; भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन; फुरकेटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण हैं। इन परियोजनाओं का लक्ष्य यात्रियों और माल की तेज व सुगम आवाजाही सुनिश्चित करना है। ये पहल क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाएंगी, यात्रा को और सुविधाजनक बनाएंगी, साथ ही परिवहन लागत और तेल आयात पर निर्भरता घटाएंगी। इसके अलावा, ये कार्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण-अनुकूल रेल संचालन को बढ़ावा देंगी। साथ ही, निर्माण के दौरान ये परियोजनाएं लगभग 251 लाख मानव-दिवसों का प्रत्यक्ष रोजगार भी देंगी।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

नई परियोजना से कच्छ के दूरस्थ इलाकों को रेल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इससे गुजरात के मौजूदा रेल तंत्र में 145 रूट किमी और 164 ट्रैक किमी जुड़ेंगे। इस पर 2,526 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसे पूरा होने में तीन साल लगेंगे। इससे गुजरात में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर व बेंटोनाइट जैसे सामान का परिवहन आसान हो जाएगा। यह लाइन कच्छ के रण को जोड़ेगी। साथ ही, धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किला जैसा स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगी। इसके मद्देनज़र 13 नए स्टेशन जुड़ेंगे और 866 गांव और 16 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

कर्नाटक से असम तक रेल सुविधाओं का विस्तार

मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं व्यापक कनेक्टिविटी बढ़ाने का काम करेंगी। इसका लाभ लगभग 3,108 गांवों और करीब 47.34 लाख की आबादी और एक आकांक्षी जिले (कलबुर्गी) को मिलेगा। ये परियोजनाएं कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम तक रेल सुविधाओं का विस्तार करेंगी। सिकंदराबाद (सनथनगर)-वाडी के बीच 173 किमी की तीसरी और चौथी लाइन का काम पांच साल में पूरा होगा। इस पर 5,012 करोड़ रुपए की लागत आएगी। बिहार में भागलपुर-जमालपुर के बीच 53 किमी की तीसरी लाइन तीन साल में तैयार होगी। इस पर 1,156 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसी तरह, 194 किमी लंबी फुरकेटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण परियोजना चार साल में पूरी होगी। इस पर 3,634 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

सेवाओं की गुणवत्ता सुधरेगी

रेल लाइनों की क्षमता में बढ़ोतरी होने से आवागमन में बहुत सुधार होगा। इससे रेलवे की कार्यकुशलता और सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय बदलाव आएगा। इन योजनाओं से रेल संचालन को सुविधाजनक बनाने के साथ भीड़ का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण को साकार करेंगी और रोजगार के अवसर सृजित करेंगी। पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार की गईं ये परियोजनाएं समन्वित योजना और हितधारकों के परामर्श से मल्टी-मॉडल संपर्क व लॉजिस्टिक्स कुशलता को बढ़ाने का लक्ष्य रखती हैं। गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम के दर्जनभर जिलों को जोड़ने वाली इन परियोजनाओं से मौजूदा नेटवर्क में करीब 565 किमी का विस्तार हो जाएगा।

14 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर फायदा!

ये रेल मार्ग कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाई ऐश, स्टील, कंटेनर, उर्वरक, कृषि उत्पादों और पेट्रोलियम पदार्थों जैसे सामानों की ढुलाई में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन कार्यों से क्षमता में वृद्धि होने से हर साल 68 मिलियन टन अतिरिक्त माल का परिवहन होगा। ये परियोजनाएं जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार साबित होंगी। इनके जरिए लॉजिस्टिक खर्च में कमी आएगी, तेल आयात में 56 करोड़ लीटर की कटौती संभव होगी और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 360 करोड़ किलोग्राम की कमी आएगी। इस तरह ये परियोजनाएं लगभग 14 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर फायदा देंगी। ये भारत के आर्थिक विकास की रफ्तार को तेज करेंगी।

चीन की विजय दिवस परेड में पुतिन, किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता भाग लेंगे

बीजिंग/भाषा। चीन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि तीन सितंबर को होने वाले देश के विजय दिवस समारोह में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन समेत 26 विदेशी नेता शामिल होंगे।

चीन इस समारोह को ''द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ प्रतिरोध की लड़ाई'' बताता है। इस परेड में विदेशी नेताओं की मौजूदगी को लेकर जापान और चीन के बीच कूटनीतिक तनातनी हो गई है, क्योंकि टोक्यो ने विश्व नेताओं से इस आयोजन में शामिल न होने की अपील की थी। उसका कहना है कि इसमें ''जापान-विरोधी भावनाएं'' झलकती हैं।

चीन ने जापान के इस अनुरोध पर नाराजगी जताते हुए कूटनीतिक विरोध दर्ज कराया है।

चीन के सहायक विदेश मंत्री होंग लेई ने बृहस्पतिवार को यहां घोषणा की कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के आमंत्रण पर 26 विदेशी नेता विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इन नेताओं में पुतिन और किम भी शामिल हैं।होंग ने कहा, तीन सितंबर को चीन एक भव्य सैन्य परेड का आयोजन करेगा, जो चीनी जनता के जापानी आक्रमण के खिलाफ युद्ध और फासीवादी विरोधी विश्व युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ को समर्पित होगा। यह परेड 31 अगस्त और एक सितंबर को तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद बीजिंग में आयोजित होगी। पिछले हफ्ते, चीन के सहायक विदेश मंत्री लियू बिन ने बताया था कि 20 विश्व नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे, जिनमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जापान की दो दिवसीय यात्रा के बाद तियानजिन में इस सम्मेलन में भाग लेंगे। चीन का प्रयास है कि एससीओ सम्मेलन में आए नेताओं को अपनी परेड में भी शामिल किया जाए। इसी से जापान नाराज है। जापानी समाचार एजेंसी 'क्योदो' ने मंगलवार को बताया कि जापान ने अपने विदेशी दूतावासों के माध्यम से अन्य देशों को संदेश दिया है कि चीन का यह आयोजन ''जापान-विरोधी भावनाएं'' दर्शाता है और नेताओं को भागीदारी पर सावधानी से विचार करना चाहिए।

यूक्रेन संघर्ष 'मोदी का युद्ध' है : व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार नवारो ने लगाया आरोप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन संघर्ष ''मोदी का युद्ध'' है और ''शांति का मार्ग'' आंशिक रूप से ''नई दिल्ली से होकर'' गुजरता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार और विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार नवारो ने बुधवार को 'ब्लूमबर्ग' को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि ''भारत, रूसी युद्ध मशीन को मदद पहुंचा रहा है। नवारो ने कहा, भारत जो कर रहा है, उसका खमियाजा अमेरिका में हर कोई उठा रहा है। उपभोक्ता, व्यवसाय और हर चीज को नुकसान हो रहा है और मज़दूर भी नुकसान उठा रहे हैं क्योंकि भारत के ऊंचे शुल्क की वजह से हमारी नौकरियां, कारखाने, आय और ऊंचे वेतन वाली मजदूरी छिन रही है, और फिर करदाताओं का भी नुकसान हो रहा है, क्योंकि हमें मोदी के युद्ध का वित्तपोषण करना है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका मतलब ''पुतिन का युद्ध'' है, तो नवारो ने दोहराया कि यह ''मोदी का युद्ध'' है। उन्होंने कहा, मेरा मतलब मोदी का युद्ध है, क्योंकि शांति का रास्ता आंशिक रूप से नई दिल्ली से होकर जाता है। ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जो बुधवार से प्रभावी हो गया है। इसके साथ ही अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। नवारो ने दावा किया कि भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को हटाना ''बहुत आसान'' है और इसके लिए नई दिल्ली को रूसी तेल खरीदना बंद करना होगा।

अमेरिका के स्कूल में गोलीबारी करने वाले हमलावर के हथियार पर लिखा था 'न्यूक इंडिया'

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। मिनियापोलिस के एक कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी कर दो बच्चों की हत्या करने वाले हमलावर की एक बंदूक पर 'न्यूक इंडिया' लिखा था। हमलावर द्वारा इस्तेमाल किए गए कथित हथियारों की वीडियो फुटेज से यह बात सामने आई। मिनेसोटा निवासी 23 वर्षीय रॉबिन वेस्टमैन नामक हमलावर ने बुधवार को एनुंसिएशन कैथोलिक स्कूल में गोलीबारी की। इस हमले में आठ और 10 साल के दो बच्चों की मौत हो गई तथा 17 लोग घायल हो गए। इसके बाद वेस्टमैन ने कथित तौर पर खुद को भी गोली मार ली। ऑनलाइन प्रसारित वीडियो फुटेज में वेस्टमैन अपने पास मौजूद कारतूस, राइफल और बंदूकों को प्रदर्शित करता दिखता है। इनमें से एक बंदूक पर सफेद रंग से 'न्यूक इंडिया' लिखा हुआ है। पत्रकार लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मिनेसोटा के हमलावर ने अपनी बंदूक पर ''माशाअल्लाह'' और ''न्यूक इंडिया'' लिखा हुआ था।

बेंगलूरु गणेश उत्सव के 63वें संस्करण का शानदार आगाज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु गणेश उत्सव (बीजीयू) का 63वां संस्करण आध्यात्मिक उत्साह के साथ शुरू हुआ। उद्घाटन पुष्प अलंकार सेवे और आरती बीट गुरु के 200 तालवादकों की शक्तिशाली ताल के साथ जीवंत हो उठे। इसके बाद अयाना डांस कंपनी द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया, जिसमें लय, भक्ति और कलात्मकता के साथ 11 दिनों के समारोह की शुरुआत की गई।

प्रसिद्ध गायिका एमडी पल्लवी ने भक्ति संगीत प्रस्तुत किया। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री विद्यारण्य युवक संघ द्वारा आयोजित बीजीयू इस शहर की सांस्कृतिक धड़कन है। बसवनगुडी में एपीएस कॉलेज ग्राउंड्स और नेशनल कॉलेज ग्राउंड्स में भक्ति, संगीत और भोजन आध्यात्मिक भावना को मजबूत करते हैं। आने वाले दिनों में क्रेजी स्टार रविचंद्रन, विजय प्रकाश, रघु दीक्षित, विजय येसुदास, प्रवीण गोडखिंडी के प्रदर्शन तथा लक्ष्मी और इंदु नागराज, सूर्या गायत्री, पंडित वेंकटेश कुमार सहित अन्य लोगों की भक्तिमय प्रस्तुतियां होंगी। विशेष आकर्षणों में 31 अगस्त को महिलाओं द्वारा सामूहिक गणेश पंचरत्न गायन और नृत्य प्रस्तुति शामिल हैं।

अनावरण

सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत नई दिल्ली में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की भारतीय जर्सी के अनावरण के दौरान।

अक्षरा सिंह की सादगी ने फिर जीता दिल

नई दिल्ली/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अदाकारा अक्षरा सिंह आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। चाहे उनके गाने हों, फिल्मों की बातें हों या फिर उनका स्टाइलिश अंदाज, फैंस उन्हें हर रूप में काफी पसंद करते हैं। अक्षरा सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी नई-नई तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

मंगलवार को उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस उनकी सादगी के कायल हो रहे हैं। इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों में अक्षरा सिंह पिंक कलर के सूट में नजर आ रही हैं। सूट पूरा प्रिंटेड है, उस पर पत्तियां और फूल बने हुए हैं, जो देखने में बेहद ही प्यारा लग रहा है। उन्होंने माथे पर छोटी सी बिंदी लगाई हुई है, जो उनके लुक को और भी सुंदर बना रही है। कानों में झुमके और खुले बाल उनके ट्रेडिशनल अंदाज को खास बना रहे हैं। ये तस्वीरें किसी झील के किनारे खींची गई हैं, जहां अक्षरा बड़ी शांति और सादगी के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को साझा करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, सूट वाली सिंपलसिटी। अक्षरा सिंह का ये सिंपल लेकिन शानदार लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। फैंस उनके पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, 'आप तो परी लग रही हैं!' दूसरे फैन ने लिखा, 'ये सादगी बहुत खास है, दिल छू गई!' कुछ फैंस ने तो दिल और फायर वाले इमोजी से अपना प्यार जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आपका हर अंदाज निराला है, ट्रेडिशनल लुक में भी आप गजब लगती हैं! कई लोग अक्षरा की मुस्कान की तारीफ करते नहीं थक रहे। एक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, झील के पानी से भी ज्यादा साफ और सुंदर तो आपकी तस्वीर लग रही है!

'मिराई' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पीपल मीडिया फैक्ट्री और टी.जी. विश्व प्रसाद की बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया स्पेक्टेकल मिराई, जिसका निर्देशन कार्तिक गट्टमनेनी ने किया है और जिसमें तेजा सज्जा मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, 2025 की सबसे बड़ी सिनेमाई प्रस्तुतियों में से एक बनने जा रही है। फिल्म के एड्रेनालिन-पंपिंग टीज़र से लेकर चार्टबस्टर गानों तक, अब तक की हर झलक ने सोशल मीडिया पर ज़बरदस्त हलचल मचा दी है। और अब, मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि मिराई का ट्रेलररिलीज़ किया गया । पहले फिल्म 5 सितंबर को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब यह एक हफ़्ता बाद 12 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उत्साह को और बढ़ाते हुए, करण जौहर और धर्मा प्रोडक्शंस भी फिल्म के आधिकारिक डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर के रूप में जुड़ गए हैं, जिससे फिल्म की पैन-इंडिया पहुंच और भी मजबूत हो गई है।

2024 की ऐतिहासिक हिट हनुमान के बाद, तेजा सज्जा एक बार फिर निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी के साथ इस हाई-ऑक्टेन एडवेंचर में लौट रहे हैं। टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद द्वारा निर्मित मिराई में मिथक, एक्शन और अत्याधुनिक विजुअल्स का अद्भुत संगम है, जो दर्शकों को एक भव्य सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। कहानी एक निडर योद्धा की यात्रा को दर्शाती है, जिसे नौ पवित्र ग्रंथों की रक्षा के लिए चुना जाता है, और यह गाथा विरासत और भव्यता को एक साथ जोड़ती है। फिल्म में मांचू मनोज, रितिका नायक, जगपति बाबू और श्रिया सरन जैसे दमदार कलाकार भी शामिल हैं, जो इस महागाथा में गहराई और तीव्रता जोड़ते हैं। वहीं, संगीतकार गौरा हरी का दिल को छू लेने वाला स्कोर एक्शन और भावनाओं दोनों को और प्रभावी बनाने के लिए तैयार है। अपनी भव्यता, विज़न और स्टार पावर के साथ, मिराई भारतीय सिनेमा में एक्शन-एडवेंचर स्टोरीटेलिंग की परिभाषा को नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिना कट के रिलीज होगी योगी आदित्यनाथ पर आधारित फिल्म

मुंबई/भाषा

मुंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर कथित रूप से आधारित एक फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाने का हवाला देते हुए इसकी रिलीज को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने सेंसर बोर्ड को फिल्म 'अजय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी' को प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया और कहा कि इसे बिना किसी संपादन के रिलीज किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि अदालत ने फिल्म देखी है और इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया। 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' किताब से प्रेरित इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा प्रमाणित करने से इनकार करने के बाद मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। सीबीएफसी ने कई आपत्तियां उठाईं, जिनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र न जमा करना भी शामिल है।

सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कई दृश्यों व संवादों पर आपत्ति जताई थी और निर्माताओं से उन्हें संपादित करने को कहा था। पीठ ने सीबीएफसी के आदेश को खारिज कर दिया। सीबीएफसी ने फिल्म में कुछ काट-छांट करने और संपादन की सिफारिश की थी। फिल्म निर्माताओं के वकील रवि कदम और अधिवक्ता सत्या आनंद व निखिल अराधे ने कहा कि फिल्म में तीन पंक्तियों का एक डिस्क्लेमर शामिल किया गया था, जिसमें कहा गया था कि फिल्म काल्पनिक है और वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया।

ईशा कोप्पिकर ने बेटी रिआना के साथ गणपति बप्पा का किया स्वागत

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर की भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा केवल रस्मों-रिवाज़ों तक सीमित नहीं है। यह एक निजी, भावनात्मक और उनके रोज़मर्रा के जीवन में गहराई से रचा-बसा रिश्ता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी के मौके पर, ईशा अपने दिल से जुड़ी कुछ खास बातें साझा करती हैंकि कैसे वह बप्पा को केवल अपने घर में नहीं, बल्कि अपने दिल और दिनचर्या में भी स्थान देती हैं। उनके उत्सव को विशेष बनाता है उनका बप्पा के प्रति सच्चा प्रेम।

इतना कि वह उन्हें खाने की मेज़ पर भी अपने साथ बैठाती हैं, जैसे वह परिवार के एक सच्चे सदस्य हों। ईशा बताती हैं, मैं हमेशा चाहती हूं कि बप्पा मेरे पास रहें। मैंने उनके लिए अपने पास एक छोटा-सा बिस्तर बनाया है, जहां वह रात को सोते हैं। और हर सुबह, स्नान के बाद, मैं उन्हें प्रेम से उनके आसन पर बिठाती हूं। मेरा बप्पा से रिश्ता इतना निजी है।

जहाँ कई भक्त डेढ़ दिन के पारंपरिक विसर्जन का विकल्प चुनते हैं, वहीं ईशा ने इस वर्ष बप्पा को पूरे तीन दिनों तक अपने घर में विराजमान रखने का निर्णय लिया है। वह बताती हैं, मुझे पता है कि तीन दिन का कोई निश्चित नियम नहीं है, लेकिन मैंने यही तय किया है।

मैं अपनी बेटी रियाना के साथ अकेली रहती हूँ, और पिछले साल मैंने सब कुछ अकेले संभाला था। इस साल हम इसमें और अधिक प्रेम और समय जोड़ रहे हैं। इस बार हमने जंगल थीम चुनी है, और मेरा बप्पा इस बार हरियाली से घिरे शांत वातावरण में रहेंगे। ईशा का गणेशोत्सव से जुड़ाव बचपन से है। वह याद करती हैं, स्कूल से लौटते ही तुरंत बाद मैं परफॉर्मेंस की रिहर्सल में कूद पड़ती थी। बप्पा के आने से पहले, माँ और मैं साथ बैठकर दस नारियल रंगते थे। यह परंपरा आज भी जारी है। जब उनसे पूछा गया कि गणपति उत्सव के और कौन से ख़ास पल उन्हें याद हैं, तो उन्होंने बताया कि इस उत्सव में उनके और उनकी बेटी रिआना के बीच क्या-क्या अलग-अलग व्यक्तित्व उभरकर सामने आते हैं।

ईशा आगे कहती हैं, मेरी बेटी शर्मीली है, और मैं हमेशा एनर्जी से भरपूर रहती हूँ। जब मैं उत्सव के दौरान गाती और नाचती हूँ, तो वह अक्सर मुझे आश्चर्य से देखती रहती है। यह विपरीत स्वभाव ही इस उत्सव को और खास बना देता है। ईशा का गणेश चतुर्थी से रिश्ता और भी गहरा है। वह बताती हैं कि उनका जन्म ठीक उसी दिन हुआ था जब गणपति विसर्जन होता हैजिस दिन हर कोई नम आँखों से बप्पा को विदा करते हैं, लेकिन अगले साल फिर आने का वादा भी लेते है। ईशा कहती हैं, इसीलिए मेरा नाम ईशा रखा गया, जिसका अर्थ देवी होता हैबिल्कुल पार्वती माँ की तरह, जो बप्पा की माँ हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

भादवा मेला उत्सव के दौरान कोयम्बटूर में जागरण में भाग लेती हुई महिलाएं।

भादवा मेले में बाबा रामदेव का जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर के एडियार स्ट्रीट स्थित श्री बाबा रामदेव सेवा संघ के तत्वावधान में रामदेव मंदिर भवन में उन्नीसवाँ भादवा मेला महोत्सव बड़े धूमधाम से व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जन जन के आराध्य बाबा रामदेव जी की रोजाना पूजा अर्चना के बाद आरती से कार्यक्रम की शुरुआत होती है। यह मेला 25 अगस्त से 1सितंबर तक चलेगा। श्री बाबा रामदेव सेवा संघ के अध्यक्ष रणजीत सिंह राठौड़ ने बताया कि रोजाना महिलाओं के लिए सत्संग समय शाम 6.30 बजे से 9 बजे तक निर्धारित किया व पुरुषों के लिए रात्रि 9.15 बजे से 11.30 बजे रात्रि तक रखा गया है। संघ के सचिव छैलसिंह जोधा ने कहा इस कार्यक्रम में भजन मंडली एवं संगीतकार राजस्थान के जाने माने कलाकारों द्वारा रोजाना अलग अलग कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जा रही है।

25 अगस्त से 27 अगस्त तक पारस वैष्णव, संगीता डांगी, श्याम पालीवाल द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुतियां के दौरान महिलाओं द्वारा नृत्य और बाबा रामदेव की जय जयकारे से हॉल गूंज उठा। दुर्गाराम सीरवी ने कहा कि दो फ्लोर में भक्तों की भीड़ देखकर आज भक्तों का अद्भुत नजारा देख रहा हूँ। कोषाध्यक्ष जोधसिंह राजपुरोहित ने कहा कि रोजाना बाबा के प्रांगण में सभी कौम के बच्चे, महिलाएं पुरुष प्रांगण में भजनों के समय नृत्य का आनंद लेना, कलाकारों ने सभी भक्तों का मनमोह लिया, रोजाना महानुभाव द्वारा सभी भक्तों को प्रसाद के रूप में प्रभावना भी दी जा रही है। हरिसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 10 व 12 वीं बोर्ड परीक्षा 2024-25 में जो विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत व अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को मंदिर परिसर में 11 सितंबर शनिवार को सम्मानित किया जाएगा। शैतानसिंह चारण ने कहा कि 28 अगस्त से 30 अगस्त तक रात्रि वरघोड़ा एवम वार्षिक चढ़ावे की बोलियां बोली जाएंगी। दिनेशसिंह, निंबूसिंह ने कहा बाबा रामदेव की महा प्रसादी भक्तों के लिए 7 सितंबर को राजस्थानी संघ में होगी। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

सामूहिक क्षमा दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में गुरु सुमति विशाल चातुर्मास समिति द्वारा गुरुवार को सामूहिक क्षमा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने क्षमा याचना करते हुए कहा कि क्षमा ऐसी होनी चाहिए, जो भीतर के 'शत्रु द्वेष' को समाप्त कर सके। यहां विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह सब महान पुरुषो की कृपा का ही परिणाम है। मुनि श्री ने बताया कि 50 दिनों की इस साधना यात्रा में जो भी दिव्यता प्राप्त हुई है, वह मुनिश्री मिश्रिमल जी म.सा., राजस्थान के रत्न श्री रूपचंद जी म.सा. और श्री सुमति प्रकाश जी म.सा. जैसे महापुरुषों के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। उनके आशीर्वाद के बिना मेरे पास यह दिव्य शक्ति, यह रोज़ का प्रवचन कहाँ से आता? आज जो वाणी आप सबके समक्ष है, वह उन्हीं का आशीर्वाद है। उन्होंने आगे बताया कि इन 50 दिनों में अनेक धार्मिक तपस्वी बने, अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए-जिनमें तेले की तपस्या, 11 उपवास, चंद्रकला बाल तप, भिक्षु दया, मिश्रिमल जी की जयंती, रूपचंद जी म.सा. की जयंती, महापर्व पर्युषण और भव्य वरघोड़ों का आयोजन प्रमुख रहा।

क्षमा दिवस के अवसर पर अनेक तपस्वियों ने अपने-अपने लिए और पचक्खान सामूहिक क्षमा याचना की गई। समिति की ओर से 8, 9 और 11 उपवास करने वाले तपस्वियों के विशेष पचक्खान हुए। बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, प्रवीण बोकड़िया, आनंद भंसाली, महावीर सुराणा, महावीर कोठारी, संजय खीचा, गौतम गुगलिया, सुनील तालेड़ा, संतोष पगारिया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

क्रोधी व्यक्ति आत्मा के सद्गुण को जला देता है : राष्ट्रसंत कमलमुनि 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को प्रवचन में कहा कि आग से आग को बुझाया नहीं जा सकता वैसे क्रोध को क्रोध से तीन काल में भी समाप्त नहीं किया जा सकता। वह तो जलती आग में पेट्रोल डालने के समान होता है। क्रोध में व्यक्ति अंधा होकर शैतान बन जाता है उस ज्वाला में आत्मा के सदगुण और साधना जलकर स्वाहा हो जाती है। उन्होंने कहा कि क्रोध परमाणु बम से भी खतरनाक है बम तो शरीर का नुकसान करता है लेकिन क्रोध शरीर आत्मा सबका नुकसान करती है। विश्व के सभी धर्म ने क्रोध को अनर्थ की खान बताया है। क्षमा के माध्यम से क्रोध पर विजय पाया जा सकता है कायर व्यक्ति क्षमा नहीं कर सकता। यह वीरों का आभूषण है। क्षमा अपने आप में सबसे महान तपस्या है। धर्म साधना और मोक्ष इसी के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि क्षमा के निर्मल पानी से आत्मा के विकार वैर विरोध का प्रक्षालन करके निर्मल और पवित्र बनाया जा सकता है। क्षमा का दान सबसे महान दान है। जो व्यक्ति सच्चे मन से क्षमा मांगता नहीं है और देता नहीं वह कितनी कठोर साधना कर ले धार्मिकता में प्रवेश नहीं कर सकता। जो मन से क्षमा का दान दे देता है। वह तीन लोक की संपत्ति के दान से बढ़कर है। क्रोध से ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज, शुगर जैसे असाध्य रोगों का शिकार हो जाता है। जहां पर क्षमता होगी वहीं पर प्रेम सद्भाव वात्सल्य करुणा का आत्मा में संचार होगा क्षमा का गुण अपनाने वाला सच्चा ज्ञानी तपस्वी और विद्वान है।

संवत्सरी पर्व पर सामूहिक आलोचना प्रतिक्रमण में भारी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। अंत गढ़ सूत्र एवं कल्पसूत्र का वाचन किया। छोटे-छोटे बच्चों ने भी उपवास करके आदर्श प्रस्तुत किया। महामंत्र नवकार के कलश का जीव दया के रूप में भक्तों ने भाग लिया हो। मानव सेवा जीव दया के लिए खुलकर दान किया। चातुर्मास समिति के चेयरममेन सुरेश लुणावत, अध्यक्ष प्रकाश खींवेसरा, कोषाध्यक्ष जितेंद्र भंडारी, संस्कार मंच एवं महिला शाखा महावीर महिला मंडल ने 7,8,9 दिनों के तपस्वी का सम्मान किया। गौतम महावीर तालेड़ा परिवार की ओर से तपस्वियों को भेंट प्रदान की गई।

समस्या निवारण हेतु क्षमा के प्रयोग करें : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि समस्याओं को सुलझाने और कटुता मिटाने के लिए क्षमा के प्रयोग किए जाने चाहिए। श्री जैन संघ, अरुम्बाक्कम द्वारा एमएमडीए कॉलोनी स्थित रुक्मणी विद्यालय में पर्युषण व्याख्यानमाला के आठवें दिन बुधवार को क्षमापर्व संवत्सरी के अवसर पर डॉ. धींग ने कहा कि भारत में सदियों से क्षमापर्व के रूप में संवत्सरी मनाई जा रही है। इस पर्व ने समाज में क्षमा और अहिंसा का उजाला फैलाया है। डॉ. धींग ने कहा कि क्षमा से तपस्या सार्थक हो जाती है। उनके क्षमा पर राजस्थानी छंद श्रोताओं ने बहुत पसंद किए। क्षमा पर्व पर बच्चों, युवाओं और बड़ों ने बड़ी संख्या में डॉ. धींग से उपवास के पचखाण लिए। श्रावक श्राविकाओं ने सांवत्सरिक प्रतिक्रमण करके मिच्छामि दुक्कडं के साथ खमत खामणा किया। माला भंसाली ने अंतगडदसा सूत्र वाचन संपन्न किया।

युवा स्वाध्यायी प्रणत धींग ने डॉ. दिलीप धींग की कविता 'देवतुल्य माता-पिता' सुनाकर श्रोताओं का मन हर लिया।

लीला नाहर, प्रियंका भूरा, एकता भंडारी और रीता बरलोटा ने 'संस्कार जीवन का आधार' विषयक नाटिका का मंचन किया। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सुनिल भंडारी ने स्वाध्याय प्रवृत्ति में पन्ना गुरु के योगदान को याद किया।

अमेरिकी धौंस के खिलाफ डटे रहने की जरूरत : मारुति चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश को शुल्क के मामले में अमेरिका की धौंस के आगे झुकना नहीं चाहिए। देश को अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए और एकजुट होना चाहिए। कंपनी की 44वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भार्गव ने अमेरिकी शुल्क के कारण हाल के महीनों में वैश्विक अनिश्चितता के बारे में बात की। भार्गव ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मायनों में देशों को अपनी पारंपरिक नीतियों एवं संबंधों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है। कूटनीति में शुल्क का व्यक्तिगत इस्तेमाल पहली बार देखने को मिल रहा है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का 50 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से प्रभावी हो गया। इससे झींगा, परिधान, हीरे, चमड़ा एवं जूते चप्पल तथा रत्न व आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में निर्यात तथा रोजगार सृजन पर असर पड़ेगा।

रिवाज के तौर पर नहीं बल्कि हार्दिकता से करें क्षमा याचना : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित क्रांतिकारी श्री कपिल मुनि जी म. सा. के सानिध्य व श्री जैन संघ गोपालपुरम-चेन्नई के तत्वावधान में पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व की आराधना उल्लास पूर्ण वातावरण में जप तप व स्वाध्याय आदि धार्मिक गतिविधियों के साथ सम्पन्न हुई। गुरुदेव के सानिध्य में गुरुवार को सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पंच परमेष्ठी की स्तुति के संगान से आरंभ हुए इस क्षमापना कार्यक्रम में ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए। क्षमा याचना कर लेने के बाद भी किसी के प्रति व्यवहार में पूर्व की अपेक्षा किंचित मात्र भी बदलाव नहीं आए तो कोरे खमत खामना शब्द के उच्चारण से आत्मा की शुद्धि कदापि संभव नहीं है।

इस अवसर पर संघ अध्यक्ष अमरचंद छाजेड, मंत्री राजकुमार कोठारी, मदनलाल कांकलिया, राजेश संकलेचा, रिंकू संकलेचा ने भी विचार व्यक्त करते हुए ज्ञात अज्ञात रूप से हुई गलती व अवज्ञा, अपराध के लिए गुरुदेव के समक्ष क्षमा याचना की और उपस्थित सभी लोगों ने परस्पर क्षमा का आदान प्रदान किया।

गुरुदेव के मुखारविंद से इस मौके पर अनेक तपस्वी साधकों ने 7,8 और 9 उपवास के प्रत्याख्यान अंगीकार किये पर्वाधिराज पर्यूषण में आयोजित अष्ट दिवसीय नवकार महामंत्र जाप के कलश की बोली का लाभ शांतिलाल सिंघवी परिवार रायपेटा ने लिया।

संयोजक विजयकुमार कोठारी ने बताया कि 31 अगस्त रविवार को सवेरे 8.30 बजे से 10.30 बजे तक छाजेड भवन में विघ्न बाधा विनाशक भक्तामर स्तोत्र जप अनुष्ठान की पूर्णाहुति व रविवारीय विशेष प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन होगा।

कार्यक्रम का संचालन संघमंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

अन्नदाता है वो

आख़िरी साँस तक प्रण निभाता है वो ,
प्राण रक्षक है वो, अन्नदाता है वो।

देखकर लहलहाती फसल खेत में,
भूलकर सारे दुख, खुश हो जाता है वो।

गाँव की सभ्यता का है वो सारथी,
नाचता है कभी, साल्हो गाता है वो।

अपनों के पेट की आग को छोड़कर ,
आग सबकी, हमेशा बुझाता है वो।

पाँव पे लाख छाले पड़े हों मगर ,
बोझ दुनिया का, सर पे उठाता है वो।

भूख मिटने से ही चलती हैं धड़कनें,
सच कहें तो, जगत का विधाता है वो।

राज़ कह देती हैं चेहरे की झुर्रियाँ,
दर्द अपना, सभी से छिपाता है वो।

उम्रभर के लिए भुखमरी, त्रासदी
सोचिए बदले में, क्या ही पाता है वो।

इतना 'नवरंग' होता नहीं अन्न भी ,
घर चलाने की ख़ातिर कमाता है वो।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

क्षमा देने वाला महान होता है : मुनिश्री पुलकित

फ्रीडम पार्क में संवत्सरी क्षमापना महापर्व आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर फ्रीडम पार्क में तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में मुनि पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में संवत्सरी क्षमापना महापर्व का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलकित कुमारजी ने कहा कि क्षमा का भाव दूषित मन को शुद्ध एवं पवित्र बनता है। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण करता है। श्रमण भगवान महावीर स्वामी ने स्वयं क्षमाशील जीवन जीया और क्षमता को धारण करने की प्रेरणा दी। मुनिश्री ने संवत्सरी क्षमापना महापर्व का महत्व बताते हुए कहा मन की उलझनों को सुलझाने का यह महान पर्व है। वैर भाव तथा वैमनस्य की ग्रंथियों को मिटाने का यह महापर्व है। वर्ष भर में किसी के प्रति मनमुटाव हुआ हो तो उसे दूर करने का यह शुभ अवसर जैन धर्म में महत्वपूर्ण बताया है।

क्षमा को धारण करने वाला ही महान और भगवान बन सकता है। आदित्य कुमार ने क्षमापना दिवस गीत का संगान किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने बताया कि मुनिश्री के सान्निध्य में 85 अठाई तथा 10 मासखमण तपस्या की आराधना उत्साह से संपन्न हुई। कार्यक्रम में दीक्षार्थी प्रीत कोठारी, प्रज्ञा संगीत सुधा मंडली, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ कन्या मंडल गांधीनगर, अणुव्रत समिति, पौषध आराधिकाओं ने गीत प्रस्तुत किया। रेणु कोठारी तथा उपासक छतर सिंह मालू ने प्रेक्षा ध्यान प्रयोग करवाया। ज्ञानशाला के अमीचंद खाटेड़, गौतम ड़ोसी के नेतृत्व में श्रमण संस्कृति संकाय के ज्ञानार्थियों ने प्रतिक्रमण करवाया।

पर्युषण पर्व के समस्त व्यवस्थाओं तथा पारणा प्रायोजक नाहर परिवार की सराहना की। इस अवसर पर प्रकाश लोढ़ा, रजत बैद, प्रसन्न धोका, नवनीत मुथा आदि ने विचार व्यक्त किए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

स्वाध्याय भवन में सांवत्सरिक पर्व मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहूकारपेट में बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में सांवत्सरिक पर्व मनाया गया। बुधवार को देवसिय व रायसी प्रतिक्रमण युवा स्वाध्यायी योगेश श्रीश्रीमाल ने करवाया। एम प्रकाश कांकरिया ने पौषध सहित बेला, योगेश श्रीश्रीमाल व मोहित छाजेड़ ने अष्ठ प्रहर, सज्जनराज बोथरा ने पांच प्रहर, उच्छबराज गांग गौतमचन्द मुणोत, गौतमचन्द बागमार, सी विमलचन्द सुराणा, शांतिलाल कर्णावट, किशोर डाकलिया, पी वीरेन्द्र ओस्तवाल, एस रविन्द्र बोथरा शिखर छाजेड़ सुनील सांखला ने चार प्रहर का पौषध व संवर आर नरेन्द्र कांकरिया ने किया।

श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने गौतमचन्द मुणोत को आलोयणा पाठ कराने व सामुहिक रूप से आलोयणा का पाठ करने व प्रतिक्रमण करने हेतु उपस्थित थे। 125 भ्राताओं को साधुवाद ज्ञापित चातुर्मास काल में स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट में गतिमान श्रावक वर्ग के दैनिक संवर-पौषध में अवश्य भाग लेने का निवेदन करते हुए सभी उपस्थित श्रावको के प्रति आभार व्यक्त किया।

सांवत्सरिक पावन पर्व पर उम्मेदमल बागमार काका को विशेष रूप से धार्मिक पुस्तकों की सार-संभार करने व चेन्नई व अन्य चातुर्मास क्षेत्रों चरित्र आत्माओं, श्रावक-श्राविकाओं को आगम, शास्त्र, सूत्र, ग्रन्थ प्राचीन पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु साधुवाद ज्ञापित किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.